श्रीमती सुषमा स्वराज
राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
बल्लबगढ़

कृत्वी

2024-2025

श्रीमती रितिका गुप्ता
प्राचार्या एवं संरक्षक

डॉ० ऋचा
मुख्य संपादक

छात्रा संपादक
कु० ऋचा
(बी.ए. तृतीय)

संपादक मंडल :-
डॉ० सपना सचदेवा
डॉ० सपना नागपाल
डॉ० ऊषा दहिया
श्रीमती रमनप्रीत कौर
डॉ० भावना कौशिक
श्री चन्द्रशेखर
श्रीमान अमोल

छात्रा संपादक
कु० वंदना
(एम.ए. इतिहास)

सम्पादक मंडल

बाएं से दाएं (बैठे हुए) :– डॉ० सपना सचदेवा, डॉ० ऋचा (मुख्य संपादक), श्रीमती रितिका गुप्ता (प्राचार्या), डॉ० सपना नागपाल, डॉ० ऊषा दहिया

बाएं से दाएं (खड़े हुए) :– डॉ० अमोल सिंह, श्रीमती रमनप्रीत, डॉ० भावना कौशिक, श्रीमान चन्द्रशेखर

Sh. S. Narayanan
Director General Higher Education
Govt. of Haryana

MESSAGE

I firmly believe that Smt. Sushma Swaraj Govt. College for Girls, Ballabgarh has done an excellent job over a period of 7 years of its existence in imparting education, nurturing the mind of students and enhancing their creativity. Education determines the path of progress and prosperity. In today's era of globalization, the main focus is to strive quality education. To achieve the goal of quality education, an institution has to work effortlessly on curricular, co-curricular and infrastructural aspects.

I am glad to pen for this wonderful magazine as an appreciation of the commendable efforts put forth by the team for its 4th edition. In recent years, when the teachers and the students are concerned more about their academic excellence, it is important that they are coaxed and encouraged to exhibit their writing talents. The endeavour to publish the college magazine is an opportunity for the staff as well as students to showcase their creativity, achievements and set a benchmark for the coming batches to sustain the success path.

I wish the principal, staff, editorial board and students grand success throughout their journey to achieve their set goals and fulfill their dreams and aspirations.

From The Principal's Desk

Dear Students, Faculty, and Esteemed parents,

It gives me immense pleasure to present the latest edition of our college magazine, a vibrant reflection of the intellectual, cultural, and creative spirit that thrives within the campus of Smt Sushma Swaraj Government College for Women, Ballabgarh.

This magazine is more than just a publication—it is a celebration of the voices of our students and faculty. It showcases the talents, thoughts, and achievements that define our academic community. From thought-provoking articles and evocative poetry to art, academic accomplishments, and campus events, every page is a testament to the hard work and imagination of our young women.

As an institution dedicated to the empowerment of women through education, we are proud to uphold the legacy of our college's namesake, Smt. Sushma Swaraj ji—an icon of strength, leadership, and integrity. Her life continues to inspire our commitment to nurturing confident, capable, and socially conscious citizens of tomorrow.

I extend my heartfelt congratulations to the editorial board, students, and faculty members who have worked diligently to bring this edition to life. Let this magazine serve not only as a chronicle of the year gone by but also as a source of inspiration for the journeys yet to come.

Happy reading and wishing all our students success in their academic and personal pursuits and I look forward to the continued success and growth of our institution.

With warm regards,

Ritika Gupta

Principal

Smt Sushma Swaraj Government College for Girls Ballabgarh

सम्पादक की लेखनी से

प्रिया पाठकगण, महाविद्यालय पत्रिका 'कृत्वी' के चतुर्थ अंक के प्रकाशन करते समय महाविद्यालय परिवार बहुत उत्साहित है। हमने अपनी पत्रिका के माध्यम से छात्राओं की रचनात्मकता को स्थान देने का प्रयास किया है, जिससे वे अध्ययन के साथ-साथ लेखन में भी अपना विकास कर सके व अपनी क्षमताओं को निखार कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

छात्राओं के प्रति जब यह महत्वपूर्ण कर्तव्य पूरा करने का दायित्व हमें मिला तब यह हमारा सुखद अनुभव बन गया। छात्राओं को कक्षाओं में पढ़ने से अलग कुछ बातें सिखाना अर्थात उनकी अभिव्यक्ति को निखारना भी हमारे ही कर्तव्यों की श्रेणी में आता है। जिसका निर्वहन हम सभी ने पूरी तरह करने का प्रयास किया है। अतः आशा है कि नवीन लेखकों की रवनाओं को आप सभी से प्रोत्साहन एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मैं, प्रचार्या श्रीमती रितिका गुप्ता, संपादक मंडल, प्राध्यापक गण तथा छात्राओं का उनके अमूल्य योगदान पर उनका हृदय से आभार प्रकट करते हुए 'कृत्वी' के चतुर्थ अंक को आपको समर्पित करती हूँ।

डॉ० ऋचा

मुख्य संपादक

एआइ की उपयोगिता बारे में दिया प्रशिक्षण

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में छात्राओं को भविष्य में एआइ की उपयोगिता के बारे में प्रशिक्षण देती हुई सिमरन ईट्रेन इंडिया, मंच पर बैठी हैं प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता, डा. उषा दहिया ● सौ. कालेज पीआरओ

जासं, बल्लभगढ़ः श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में ईट्रेन इंडिया फाउंडेशन के तहत छात्राओं को एआइ के उपयोग और भविष्य में उनकी उपयोगिता के बारे में छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का आयोजन कंप्यूटर साइंस की इंचार्ज डा. उषा दहिया ने किया। अध्यक्षता कालेज की प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता ने की। सिमरन ईट्रेन इंडिया के संयोजन में हुए कार्यक्रम में 160 छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण लेने वाली छात्राओं को संस्था की तरफ से प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। छात्राओं को प्राध्यापकों में डा.सपना सचदेवा, डा. रमनप्रीत कौर, डा.ऋचा, डा. शिवानी यादव, चंद्रशेख, डा. भावना कौशिक, डा. अमोल सिंह, डा. धर्मवीर सिंह वशिष्ठ, दिव्या, डा. चंचल ने एआइ के बारे में विस्तार से बताया।

सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

जय हिन्द संवाद

फरीदाबाद। श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय, बल्लभगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्राचार्या श्रीमती रितिका गुप्ता के संरक्षण में महिला सेल की इंचार्ज डॉ0 रमनप्रीत कौर ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। जिसमें लगभग 25 छात्राओं ने भाग लिया तथा बाद में महाविद्यालय के शिक्षक वर्ग ने छात्राओं के साथ मिलकर महिला एकता को प्रदर्शित करते हुए एक दिन भी मनाई साथ ही महाविद्यालय में होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्या श्रीमती रितिका गुप्ता ने समस्त स्टाफ तथा छात्राओं को होली की अग्रिम बधाई दी।

सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय के डॉक्टर चंद्र शेखर जी कि कॉलेज के पीआरओ भी हैं ने बताया बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तरह तरह के एक्टिविटी करवाई जाती है कंप्यूटर का कोर्स हो या कम्युनिकेशन स्किल हो या एनएसएस के स्कीम हो या सीधा रोजगार से लेकर साफ सफाई एवं अनेकों अनेक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिससे कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके कई संस्थाएं भी इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती हैं जैसे कि लोटस पेटल फाउंडेशन और निरामा फाउंडेशन इत्यादि।

इस अवसर पर डॉ0 सपना सचदेवा नायर, डॉ0 उषा दहिया, डॉ0 ऋचा गुप्ता, डॉ0 चंद्रशेखर डॉ0 अमोल डॉ0 धर्मवीर सिंह, डॉ0 दिव्या, डॉ0 चंचल, डॉ0 संगीता, डॉ0 कल्पना, डॉ0 अनंत आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शनी में मनोविज्ञान का मॉडल तृतीय स्थान पर रहा

फरीदाबाद। करनाल स्थित पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें सेक्टर 2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कशिश और सौमया बीए दूसरे वर्ष ने बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा मनोविज्ञान के मॉडल ने तृतीय स्थान हासिल किया। महाविद्यालय की प्राचार्या रितिका ने इस विज्ञान प्रदर्शनी की इंचार्ज डॉ. सपना सचदेवा नायर को बधाई दी। साथ ही छात्राओं को भविष्य में भी अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. उषा दहिया, रमनप्रीत, चन्द्रशेखर, डॉ. भावना कौशिक आदि मौजूद रहे। इससे पहले 5 फरवरी 2025 को राजकीय महिला महाविद्यालय फरीदाबाद में आयोजित अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी में मनोविज्ञान के मॉडल में छात्राओं ने प्रथम तथा कंप्यूटर विज्ञान में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। संवाद

सूर्य नमस्कार प्रोग्राम शुरू

NBT न्यूज, बल्लभगढ़ : सेक्टर-2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज सरकारी महिला कॉलेज में मंगलवार से हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान के तहत 6 दिवसीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. ऋतिका गुप्ता ने किया।

गर्ल्स कॉलेज में ओरल हेल्थ डे पर कार्यक्रम

NBT न्यूज, बल्लभगढ़ : सेक्टर-2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज मे गुरुवार को विश्व ओरल हेल्थ डे के उपलक्ष मे जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रितिका गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम कॉलेज वूमेन सेल इंचार्ज डॉ. रमनप्रीत कौर व रेड क्रॉस सोसाइटी की इचार्ज डॉ. भावना कौशिक द्वारा आयोजित करवाया गया। इसमे करीब 110 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम मे एम्स बल्लबगढ़ ब्रांच की डॉक्टर जिम्मी ने छात्राओं को ओरल हेल्थ के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। यह अवसर पर डॉ. सपना सचदेवा, डॉ. उषा दहिया, डॉ. दीक्षा, शिवानी यादव, चंद्रशेखर, अमोल सिह, धर्मवीर सिंह, दिव्या व चंचल मौजूद रही।

अमर उजाला

amarujala.com

मासिक धर्म के दौरान लेना चाहिए संतुलित आहार : डॉ. रैना

अमर उजाला फाउंडेशन के तहत अपराजिता कार्यक्रम का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

डॉ. रैना चावला।

सुषमा स्वराज कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं। संवाद

फरीदाबाद। सेक्टर 2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज महिला महाविद्यालय में अमर उजाला फाउंडेशन और सेक्टर 8 स्थित सर्वोदय अस्पताल की ओर से अपराजिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को स्वास्थ्य से संबंधित सुझाव दिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. रितिका गुप्ता की ओर से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रैना चावला का स्वागत किया गया।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रैना चावला ने बताया कि 15 साल के बाद हर युवती को मासिक धर्म होने शुरू हो जाते हैं। पहली बार तो इनको कुछ समझ में नहीं आता है लेकिन उसके बाद उनको उसके बारे में धीरे धीरे समझ में आ जाता है। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को स्वच्छता पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है। कार्यक्रम में कम्प्यूटर विज्ञान की इंचार्ज डॉ. उषा दहिया ने अहम भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रशेखर ने की। इस मौके पर डॉ. ऋचा, डॉ. भावना, डॉ. अमोल, एनएसएस इंचार्ज डॉ. दिव्या, डॉ. धर्मवीर और डॉ. चंचल मौजूद रहे।

छात्राओं के सवालों के जवाब दिए

डॉ. रैना चावला ने [illegible] छात्राओं ने डॉक्टर रैना चावला से [illegible] किए।

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का विमोचन

बल्लभगढ़। सेक्टर 2 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में वार्षिक पत्रिका कृत्वी का विमोचन किया गया। जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा मौजूद रहे। वहीं राजकीय महाविद्यालय नचौली की प्राचार्य डॉ. अर्चना वर्मा और प्राचार्या डॉ. रितिका गुप्ता भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यह कॉलेज पत्रिका का तीसरा अंक था। इसमें कॉलेज की बहुत सारी छात्राओं ने एवं अध्यापकों ने अपनी कविता लेख निबंध एवं मौलिक विचारों को स्थान दिया। इस पत्रिका का संपादन डॉ. ऋचा गुप्ता की देखरेख में संपादक मंडल के सदस्यों डॉ. उषा दहिया, डॉ. रमनप्रीत कौर, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. अमोल ने किया। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति किए। इस अवसर पर डॉ. भावना कौशिक, डॉ. मोना, डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. कुलदीप, डॉ. निधि आदि मौजूद रहे। संवाद

THE IMPACT OF SOCIAL MEDIA ON MENTAL HEALTH : A DOUBLE-EDGED SWORD

In the past two decades, social media has transformed how people communicate, connect, and consume information. Platforms like Facebook, Instagram, Twitter (X), TikTok, and Snapchat are deeply woven into the fabric of modern life, particularly among younger generations. While social media has brought undeniable benefits in terms of connectivity, awareness, and entertainment, it has also raised significant concerns about its impact on mental health.

Positive Impacts of Social Media

1. **Connection and Support**
   Social media allows individuals to maintain relationships, find long-lost friends, and create communities around shared interests or experiences. For people struggling with loneliness, chronic illness, or mental health issues, online support groups can provide comfort and a sense of belonging.

2. **Self-Expression and Creativity**
   Platforms like Instagram, TikTok, and YouTube offer users outlets to express themselves through art, music, photography, and storytelling. This can be empowering and therapeutic, especially for those who may not feel heard in their offline lives.

3. **Access to Information and Resources**
   Mental health awareness has grown significantly through social media. Psychologists, counselors, and mental health advocates use platforms to share coping strategies, promote well-being, and reduce stigma around mental illness.

Negative Impacts of Social Media

1. **Anxiety and Depression**
   Numerous studies have linked high social media use with increased levels of anxiety, depression, and psychological distress. Constant exposure to curated, idealized images of other people's lives can lead to feelings of inadequacy, envy, and low self-worth.

2. **Cyberbullying and Online Harassment**
   Social media can be a breeding ground for toxic behavior. Cyberbullying—whether through mean comments, threats, or exclusion—can severely impact self-esteem and mental health, particularly among teenagers.

3. **Addiction and Reduced Attention Span**
   Social media platforms are designed to be addictive, using algorithms that promote constant scrolling and instant gratification. Overuse can lead to a decreased ability to focus, sleep disturbances, and reduced real-life social interaction.

4. **Fear of Missing Out (FOMO)**
   Seeing others attend events, travel, or achieve milestones can trigger FOMO, leading to feelings of loneliness or dissatisfaction with one's own life. This can increase stress and compulsive checking of social media feeds.

Striking a Healthy Balance

Understanding how to use social media in a mindful and balanced way is essential. Here are a few strategies:

Set time limits for daily social media use. Curate your feed by unfollowing accounts that make you feel negative and following those that uplift or educate. Engage with intention, not out of habit or boredom. Take regular digital detoxes to reconnect with offline activities and relationships. Seek help if you notice signs of depression, anxiety, or other mental health issues linked to social media use.

Conclusion

Social media is a powerful tool that can enrich our lives but also harm our mental well being if not used wisely. By recognizing both its positive and negative aspects, individuals can make conscious choices about their digital habits. Promoting digital
literacy, emotional resilience, and healthy online behavior is crucial in ensuring that social media serves as a bridge to connection, not a barrier to mental wellness.

Mrs. Ritika Gupta
Principal
Psychology Department

THE ART OF LIFELONG LEARNING

In an age defined by constant change, one of the most valuable skills we can cultivate is the ability to keep learning throughout our lives. Learning is often perceived as something confined to classrooms, textbooks, and examinations. Yet, the truth is that education extends far beyond the walls of our institutions. It is a continuous process that shapes not just our careers, but our character and outlook on life.

Lifelong learning is not about collecting degrees; it is about nurturing curiosity and developing the willingness to grow with each experience. Every conversation we engage in, every book we read, and every challenge we encounter is an opportunity to expand our understanding of the world. Unlike formal education, which has a set curriculum, lifelong learning allows us to explore diverse areas—from technology and literature to music, travel, and philosophy—at our own pace.

In today's fast-changing world, where technologies become obsolete within years and new fields of work emerge overnight, adaptability is essential. Lifelong learners are better equipped to reinvent themselves, stay relevant, and thrive in uncertain times. More importantly, continuous learning enriches life by making us more empathetic, open-minded, and resilient.

Education is, at its heart, a lifelong pursuit. What you learn here is not the end, but the beginning of a journey. Carry forward the values of curiosity, humility, and service. Let your knowledge be a lamp not just for your own path, but also for the society and world that you will one day lead.

Learning is not about memorizing facts but about developing the ability to think critically, ask meaningful questions, and connect knowledge with real-life experiences. When we embrace lifelong learning ourselves, we model the same for our students, inspiring them to see education as a journey rather than a destination.

So, let us view every day as a classroom, every person as a teacher, and every experience as a lesson. In doing so, we discover that the true joy of learning lies not in reaching the end, but in walking the endless path of curiosity and growth.

In this age of rapid transformation, let us prepare ourselves not just to adapt to change, but to lead it with vision and responsibility. The future is not something that happens to us—it is something we create. Let us create it with wisdom, courage, and compassion.

Dr. Sapna Nagpal
Dept. of Computer Science

THE POWER OF HARD WORK IN A SHORT CUT WORLD

Hard work is the core to success, a statement we've heard countless times from our parents, teachers, and elders. As a child I could never understand the logic behind this statement. I used to think why bother with hard work when one can find a shortcut to achieve your goals. Isn't it better to take an easy route and conserve your energy. So, the lesser I have to work to get what I wished for the luckier I am. However, with the passing time and experience, I realized how wrong I was.

We all set goals in life, and sometimes they seem far-fetched and unattainable. It is at that time when we start losing patience and look for shortcuts. Sometimes, we are in a hurry to achieve and shortcuts seem to be an easy way out. However, there is no shortcuts to success. Let's try to understand by taking an example of a lift and a ladder, both of which serve the same purpose of helping us reach our destination. A lift is a convenient and quick way to move between floors, but it may also get stuck anytime in between or breakdown unexpectedly leaving us stranded and uncertain about what to do next. Similarly, in life, taking shortcuts or relying on easy fixes might seem appealing and the only way to achieve our goals but many a times they may lead to a dead end. Moreover, the success achieved by using these shortcuts is short lived

Climbing a ladder, on the other hand, requires effort and perseverance. Each step represents a challenge or obstacle that must be overcome to go higher, and the process can be quite tiring and demanding. In the same way success achieved through hard work can be a long and challenging journey, requiring determination, resilience and a willingness to learn from failures. Success achieved henceforth may not be as quick as it could have been by taking a shortcut or a lift but is far more lasting and satisfying. Each struggle gives us a chance to learn and provide a great experience whereas the shortcuts can lead to missed experiences.

The example of a lift and ladder serves as a reminder that true success is often the result of putting in the time and effort required to achieve one's goals. By embracing the challenges and learning through opportunities that come with hard work, individuals can develop the skills, character, and confidence needed to achieve lasting success.

In the words of Vera Wang, “Success is not about the end result, it is about what you learned along the way”. Hence it is important to avoid the trap of short-lived success achieved through shortcuts and instead dare to take the long and challenging road of hard work and perseverance to reach true success.

Dr. Sapna Sachdeva Nair
Associate Professor
Deptt. of Psycholgy

शब्द

शब्द मुस्कुराहट जगा देते हैं,
शब्द कड़वाहट भी बढ़ा देते हैं,
दिल जो दिखाई नहीं देता
शब्द उसकी बनावट बता देते हैं।

कुछ शब्द कहे नहीं जाते,
कुछ शब्द सहे नहीं जाते,
शब्दों के तीर से बने घाव
जीवन में भरे नहीं जाते ।

शब्द दुख भी बांट देते हैं,
शब्द खाई भी पाट देते हैं,
शब्दों के धारदार खंजर
उलझन की जंजीर काट देते हैं।

शब्द मिठास भी भर देते हैं,
शब्द निराश भी कर देते हैं,
मन में छिपे तूफान की
भड़ास भी व्यक्त कर देते हैं।

शब्द में शूल-सी कसक भी है,
शब्द में फूल-सी महक भी हैं,
शब्दों में चिड़ियों की चहक भी है
शब्द दिल में उठे तूफान भी हैं।

असत्य, अप्रिय, कटु, असभ्य शब्द
इतिहास में तहलका मचा देते हैं
तभी तो
शब्द को जो तोलता है
तोल के जो मुँह खोलता है
फिर वो बोलता है मधुर वचन
कानों में रस घोलता है।

असत्य, अप्रिय, कटु, असभ्य शब्द
इतिहास में तहलका मचा देते हैं
तभी तो
शब्द को जो तोलता है
तोल के जो मुँह खोलता है
फिर वो बोलता है मधुर वचन
कानों में रस घोलता है।

Dr. Usha Dahiya
Dept. of Computer

HAPPINESS

Though a very short word, but it is a universal desire. As we grow in life, the need to be happy escalates. It is something we all thrive for regardless of age, culture or background. Can you answer this question definitely in a **'yes'**- " Life is enough and so am I? If not, that it is a goal to chase. It does not mean that you should be laughing all the time but it means you are hopeful, you have lesser fears and you find your life meaningful over emptiness.

Happiness in different cultures:

Across nations and cultures happiness is perceived differently for example in India- happiness is connected with spiritual fulfillment, family bonds and inner peace. The spiritual leaders talks of the stage "Ananda" though self – realization. In **Denmark** they call it 'hygge' – comfort, coziness and togetherness is central to happiness.

In **Japan** its 'ikigai' -the purpose or reason for living which brings lasting happiness.

The relevance of being happy is such that in countries like Bhutan, they measure gross national happiness (GNH) instead of GDP.

Simple habits to cultivate Happiness :

1. Practice Gratitude : Be thankful every day for what you have.
2. Help others : Act of kindness increase your joy.
3. Exercise: Stay active which help brain to release endorphins which lift moods.
4. Connect with natures : Spend time outdoors.
5. Limit social media: Build real - life connections because they go long way.
6. Pray or meditate: spirituality promotes peace and clarity.

Final thought:

A major step towards happiness is acceptance - acceptance of oneself once you are at peace - happiness grows. It is a continous process and involve living with intention, finding joy in everyday moments is the key to be more content and living a joyful life.

RAMANPREET KAUR
(ASSISTANT PROFESSOR)

अनेकता में एकता

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता 'अनेकता में एकता' है। यह वह मूल्य है जिसने भारत को सदियों से मजबूती दी है। इसके महत्वपूर्ण पहलू अग्रलिखित हैंरू-

भाषाई विविधता में एकता

भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं (22 से अधिक राजभाषाएँ संविधान में मान्यता प्राप्त हैं) अलग-अलग भाषाएँ होने के बावजूद सबको ष्भारतीयष पहचान जोड़कर रखती है।

धार्मिक विविधता में एकता

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी आदि अनेक धर्म भारत में मिलकर रहते हैं।त्यौहारों और धार्मिक आयोजनों में सभी का आपसी सहयोग और भागीदारी देखने को मिलता है।

जातीय और सांस्कृतिक विविधता में एकता

भारत में आर्य, द्रविड़, मुगल, यूरोपीय आदि विभिन्न जातीय समूहों का प्रभाव है।अलग-अलग परंपराओं, रीति-रिवाजों और पहनावों के बावजूद सभी भारतीय संस्कृति की एक डोर में बंधे हैं।

भौगोलिक विविधता में एकता

उत्तर में हिमालय, दक्षिण में समुद्र, पूर्व में वर्षा वन, पश्चिम में रेगिस्तान जैसी भिन्नताएँ।इसके बावजूद सभी मिलकर ष्भारत माताष की संतान कहलाते हैं।

त्यौहारों और उत्सवों में एकता

दीपावली, ईद, क्रिसमस, बैसाखी, पोंगल, ओणम जैसे पर्व सबको एक-दूसरे से जोड़ते हैं। पर्व भारतीय संस्कृति की साझी धरोहर हैं।

साझे मूल्यों में एकता

सत्य, अहिंसा, सहिष्णुता, करुणा, सेवा और ष्वसुधैव कुटुम्बकम्ष् जैसे आदर्श।
यह मूल्य हर धर्म और संस्कृति को जोड़ते हैं।

संविधान और राष्ट्रीय प्रतीकों में एकता

राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था सबको एक सूत्र में बांधते हैं।

विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

भाषा, धर्म, परंपरा और रहन-सहन की भिन्नताओं के बावजूद सभी भारतीय एकजुट हैं और यही भारत की असली पहचान है।

डॉ० ऋचा
राजनीति शास्त्र विभाग

युवाओं में मद्यपान एवं औषधि व्यसन की समस्या

वर्तमान में किशोर-किशोरियों एवं युवावर्ग में मादक द्रव्यों एवं मद्यपान सेवन की आदत तेजी से विकसित हो रही है।

महानगरीय संस्कृति में स्कूल कालेज जाने वाले बालक-बालिकाओं एवं किशोरों में मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृति एक संक्रामक रोग की भांति फैलती जा रही है। मादक द्रव्य के उपयोग से व्यक्ति उत्तेजना, सुख, प्रसन्नता एवं ऊर्जा का अनुभव करता है तथा एक बार उसका प्रयोग प्रारम्भ करने के बाद व्यक्ति के अन्दर उसका निरन्तर उपयोग करने की इच्छा पैदा होने लगती है और धीरे-धीरे वह उस पर आश्रित हो जाता है। मादक द्रव्यों तथा मद्यपान के दुरुपयोग से समाज व व्यक्ति विशेष को भयंकर क्षति हो रही है। मादक द्रव्य चाहे चिकित्सकीय सलाह से अथवा उसके बिना सेवन किया जाय किन्तु इनका दुरुपयोग करने पर व्यक्ति इनका आदि हो जाता है। मदिरा का प्रयोग कुछ लोग सुख बोध अथवा सामाजिक स्टेटस के रूप में लेते हैं तथा कुछ लोग उत्तेजना/अभिप्रेरणा के रूप में लेते हैं जिससे वे कार्य कर सकें। मदिरा सेवन से व्यक्ति का आत्मनियंत्रण कम हो जाता है और व्यक्ति संवेगात्मक हो जाता है। इसके अधिक सेवन से व्यक्ति का व्यवहार असामान्य हो जाता है एवं उत्तरदायित्व की भावना कम हो जाती है। नशीले पदार्थों जैसे-भांग, अफीम, गांजा, हेरोइन, स्मैक, कोकीन आदि के सेवन से शारीर व मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। व्यसनी आत्म संयम खो देता है, उसका चरित्र भ्रष्ट हो जाता है। ऐसे लोग नैतिक रूप से पतित, बेईमान व धोखेबाज होते हैं। उनके लिए सामाजिक मर्यादाओं, नैतिकता का कोई मूल्य नहीं होता है। व्यक्ति की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है। हेरोइन, ब्राउनशुगर या अफीम से निर्मित अन्य नशीले पदार्थों पर व्यक्ति की निर्भरता हो जाने के बाद उसके रहन-सहन, दिनचर्या, आदतों व व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन दिखायी देने लगता है जैसे शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक शक्ति क्षीण हो जाती है। स्मरण शक्ति कमजोर हो जाना, चोरी करना, झूठ बोलना, नये-नये मित्र

बनाना, अधिक समय तक घर से बाहर रहना आदि। रोगी साफ-सफाई का ध्यान छोड़ देता है और प्रत्येक समय खोया-खोया रहता है। इन आदतों के कारण उसका समाज में आदर व सम्मान गिर जाता है, उसका नैतिक रूप से पतन हो जाता है एवं कार्य क्षमता घट जाती है।

मादक औषिध का सेवन आजकल स्कूली बच्चों, किशोरों एवं युवाओं में एक सामान्य बात होती जा रही है। आज का किशोरों एवं युवाओं में एक सामान्य बात होती जा रही है। आज का किशोर एवं युवा वर्ग के मादक द्रव्यों के सेवन की ओर अग्रसर होने के कई कारण हैं जैसे-संगति का प्रभाव, निराशा पूर्ण जीवन, दोषपूर्ण आवासीय दशाएं, फैशन, असामान्य व्यक्तित्व, नगरीकरण व औद्योगीकरण, विपरीत परिस्थितियाँ, नैतिक मूल्यों का क्षरण एवं समाज विरोधी तत्वों के निहित स्वार्थ आदि। मादक द्रव्यों के व्यसन के अनेक कुप्रभाव दिखायी पड़ते हैं जिनमें वैयक्तिक व विघटन, परिवारिक व सामाजिक संबन्धों से अलगाव, आतंकवाद का प्रसार आर्थिक क्षति एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि।

आप अपने बच्चे को जितना प्यार करते हैं एवं उसकी देखभाल करते हैं उतना और कोई नहीं करता। आप बहुत व्यस्त रहते हैं फिर भी कुछ समय निकालकर अपने बच्चे के विषय में सोचें, उसकी भावनाओं को समझें। उसकी कोई समस्या है तो उसे सुलझाने का प्रयास करें। अपने बच्चों की गतिविधियों, उसके शौक एवं उसके दोस्तों की जानकारी रखें। माता-पिता स्वयं किसी प्रकार का नशा न करें। घर में लायी जाने वाली दवाओं पर निगरानी रखें और बच्चों की फोन कालों पर नजर रखें। बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताने का अवसर खोजें। इन उपायों के द्वारा किशोर-किशोरियों एवं युवाओं को मादक द्रव्यों के व्यसन के दुष्चक्र में फंसने से रोका जा सकता है।

चंद्रशेखर

हिंदी विभाग

THE ROLE OF ENGLISH IN BRIDGING GLOBAL LEGAL SYSTEMS AND CULTURES

English, as we are given to understand , is a global language, or shall we say a common language that has bound this world in one thread. Considering this , the role of English as a language , in bridging global legal systems and cultures becomes increasingly important. No law works in isolation . It is always influenced by , or rather affected by in more ways than one , by other laws and jurisdictions as a means of guidance. English has been that common thread that has bound all the legal frameworks in the world in one cohesive thread. Isolationist tendencies adopted by any civilisation never yield positive results . Cues shall be taken from other cultures and laws to come at a logical conclusion to a problem at hand. Today , with ample access to internet and English being the common medium of communication and expression, laws and judgements from foreign lands are being cited to come at a logical conclusion of cases in India. English is not just a language or a medium of expression, but it is also a means of holistically approaching an issue to reach a wise end. It is for this very reason that most of the work in the legal framework of India is being done in English. It puts to rest all the confusion and uncertainty surrounding a judgement or interpretation of a law. That's a great positive coming out of using English as a medium of reference. To get rid of all the ambiguity, even in the competitive examinations in India, the English translation of a question holds the final word. If there is any confusion regarding English and the other language version of a question, English version is deemed final and correct. It must , in no sane way, be considered an assault upon other languages, or even undermining the importance of other languages, but rather a means of simplifying things for the greater good in the interest of all stakeholders. Having talked about the importance in the legal framework, let's shift our focus to the

importance of English in binding different cultures together. Today, we may know about cultures far and wide with basic understanding of English language and access to Internet. This is a great advantage of having English as a common medium of interaction and instruction. Never in the past have things been so smooth and seamless. In a vast country like India , that consists of various cultures, it becomes even more pivotal to have a language that may work as a common medium of instruction to remove all the ambiguity. The only language which unites us all in India, fortunately or unfortunately (whichever way you wish to put it) is English which is not a native language of our country.India being a huge country will find it difficult to come up with another common language. There will always be a difference in opinion between the North and the South.

The idea is teaching MBBS or any other course for that matter,in local languages is only feasible if every single student in a particular batch is from that region which is a rare occurrence. MBBS here is specified to highlight the ongoing cases and all the brouhaha in the country about having common language of instruction in this particular course.

And, if we were to adopt a single Indian language as the medium of instruction in our country, we would first need to come up with a common language. That happens to be English. That's why this language is so important and popular amongst the people world over.

To be specific, there is no official national language of India declared yet. However, English can be considered the de-facto national language of India owing to a variety of reasons. First of all , English is taught as a compulsory subject in all the schools and colleges of India, across all the streams. English is also used as an official language by the government of India. It is used in most of the official works today. There is a huge demand of Spoken English classes nowadays which highlights its importance in the contemporary world. It is mandatory to clear an English language paper to get a Group A

or Group B officer grade job in the Government of India. When it comes to jobs in the private sector, you can't land a decent one without ample knowledge of English. When we talk about the original judgements made by the supreme court of India, they all happen to be in English only . In the recent years, thousands of Government schools are converted from Indian language medium to English medium every year because parents are eager to enroll their children in English medium schools. English was one of the primary reasons for many to come out of poverty and aspire to become upper middle class.

As an English colony, India adopted English as the lingua franca quite a long time ago. English was and is the language of the administration and civil services. Indians have aspired to be in the civil services since they were established by the British in 1858. So much that by 1945, it was dominated by Indians. English is still the official language of commerce in medium and large scale businesses. Letters, invoices, quotes, proposals between businesses are in English. The fact that more multinational companies are setting shop in India and more Indian companies do business with companies abroad keep reinforcing this necessity. English is one of the official languages of Union Government. All laws and instruments, and bills brought before the Parliament, are in English but also to be translated into Hindi, though the English text remains authoritative. College education and especially, professional education is in English even though school education could be in local language. Even here, there is a consistent increase in the proportion of schools that are moving towards English as a medium of instruction. As a result of the linguistic diversity of India, English automatically serves as the link language between speakers of two mutually unintelligible Indian languages. India has had a thriving English media in the form of reputed and established English press since the times of British rule. Post liberalization, and with the entry of private TV channels, we also have both Indian English channels and foreign English channels beaming their content to Indian households. An another factor to popularize and, perhaps, also to improve English

usage. Whereas, English is not the language of the internet (e.g, Wikipedia is in 291 languages, Gmail interface can be opened in any major Indian language) and mobile phones are not hard wired to take Latin inputs only, English seems to the predominant and preferred language for most internet and mobile communication in India. Even when communication happens in Indian language, it is written in Latin alphabets. Now, this part is sort of an irony given that India is a major IT power and the land of software engineers. Perhaps, it has got to do with the fact that the power users and early adopters of these technologies are people in their teens and twenties, who are likely proficient in English and more adept at adapting the existing framework than trying to learn typing in their mother tongue.

But, all of the above factors keep reinforcing one another and the use and adoption of English as the language of communication in India. So, no wonder, there is a good proportion of Indians who can speak anywhere from basic to literary English. English has become the defacto global language. People with the ability to communicate in English have a distinct advantage in doing business with and in those countries.

India has a unique distinction of having widespread popularity of English inspite of many regional languages. This has given Indians world over the ability to readily adapt and integrate into most English speaking countries and other 'non English speaking' countries where language of business is English (eg UAE, singapore etc). It also allowed people from India to engage in business with other countries. The scale at which the Indian outsourcing industry operates is a testament to this. India as a land of many languages, lacked a common language to tie us all together. With each state taking pride in their own language, propagation of any other Indian language (read Hindi) in their respective states was met with insecurity and indignance. English seemed like a viable alternative without anyone losing face.

Dr. Amol Singh

Dept. of English

SUCCESS

Life is tough for everyone
For some it's even tougher
However rough you think it is
Don't think it can't get rougher

But take a tip from one who knows
Your life you can enhance
But you'll get no guarantee from me
Should you leave it all to chance

If a better life is what you seek
You have to make it happen
Decide on what you really want
And pursue success with passion

A positive mind is where you start
Belief in your potential
A will to do whatever it takes
That too is quite essential

It doesn't matter where you are
Because you're not a tree
With hard work and persistence
Go where you want to be

You have the power to change your life
Success you can pursue
With grit and determination
And the talent Nature gave you

Dr. Bhawna Kaushik
Assistant Professor in Computer Science

EDUCATION'S EVOLUTION IN THE TECHNOLOGICAL ERA

In this realm of educatgion, let us embark
Where traditional boundaries no longer mark
For technology has woven its seamless thread
Infusing our classrooms with a digital spread.

Gone are the days of chalk and slate
As screens and devices now dictate
A new era rises upon us all
Where knowledge blooms unencumbered by walls.

With a click and a tap the world unfurls.
Accessing information that once seemed inswirls
From e-books to videos, as vast digital sea
Endless resources expanding mints, setting us free.

Virtual classrooms bridge the distance apart
Connecting students with teachers, heart to heart
No longer confined by geographical space
Education transcends, embracing the global race.

Online forums ignite lively debates
Expanding perspectives, challenges old traits
Through collaborative tools, we share and create.

Innovative solutions, nurturing inmates
But answer , is revolution lets not forget
Education's essence lies in human intellect
But the warmth of a teacher, no machine can exceed.

So let us harmonize these realms together

Technology and education, bound forever
Harnessing innovation, embracing the new
While cherishing the bonds that make learning true.

As technology invades this educational sphere
Let us remember, it's the hearts that we hold dear
Education's essence, the spark that inspires
Guiding learners to greatness, feeling their desires.

So let us embrace this wondrous invasive
Uniting tradition and technology's equation

May education thrive, forever evolving
Empowering generations, our minds resolving.

Dr. Poonam Malik
Dept. of English

HUMANITY

Humanity is the collection of human races and this is very important to improve the quality of human beings and it is full of compassion, empathy, kindness and respect for all the human beings in our community.It emphasis all the inherent values and virtues that define humanity such as creativity, love and a selfless concess for other well being.Humanity is the power that encourage understanding and cooperation to create a better world for everyone. This is the practice for people to build stronger communities, promote understanding and cooperation for the community. Collective responsibilities in which school and families play an important role in installing the values of cooperation, compassion and kindness in the children's leads to the humanity in that child reaches up to the younger age. Our civilization and culture of the society and the boundary of our activities are the basic pillar to save the humanity. With its pillar like empathy compassion and understanding with humanity serves as a guiding light in a complex and divided world and those qualities remind us that despite our differences we all are part of our human family.

Dr. Kuldeep
Department of Botany

Faridabad, Haryana, India

कॉलेज में लगे NSS कैंप का समापन

NBT न्यूज, बल्लभगढ़ : सेक्टर-2 स्थित श्रीमति सुषमा स्वराज गवर्नमेंट वुमेन कॉलेज में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। शिविर का शुभारंभ कॉलेज की प्रिंसिपल रितिका गुप्ता ने किया था। जिन्होंने छात्रों को शिविर के दौरान एक-दूसरे की मदद करने और समर्थन करने के लिए निर्देशित किया। उद्देश्य छात्रों को समाज में व्याप्त मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक समस्याओं का व्यावहारिक समाधान कैसे खोजना है। शिविर में कुल 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दिव्या, डॉ. सपना सचदेवा, डॉ. सपना नागपाल, रमन प्रीत कौर, डॉ. भावना कौशिक, चंद्रशेखर, डॉ. धर्मवीर उपस्थित थे।

रोड सेफ्टी की टीम ने बच्चों को किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक

फरीदाबाद, 20 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। गवर्नमेंट कॉलेज बल्लभगढ़ में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक कैम्प पर विशेष सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, साइबर सेल, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया यहाँ स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह ने बताया हमारा रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट है चलो गाँव की ओर क्योंकि यहाँ गाँव-शहर के बाजारों में स्कूल व कालेजों के बच्चे दुपहिया वाहन तेज गति से चलाते है जो घातक व कोई दुर्घटना का कारण हो सकते है इसलिए हम सबको सड़क नियम बिल्कुल नहीं तोड़ने चाहिए बड़े बड़े वाहनों जैसे ट्रक, डम्पर, पानी के टैंकर आदि से हमेशा ही दूर होकर चलें। बल्लभगढ़ पुलिस थाने की तरफ से सब इंस्पेक्टर मधु ने आजकल बढ़ रहे साइबर क्राइम के साथ डिजिटल अरेस्ट काफी जोर पूरे देश में पकड़ रहा है इसकी जानकारी कम लोगों व बच्चों को है साइबर फ्रॉड से बचना और दूसरों को बचाना सबसे बड़ा काम है डिजिटल अरेस्ट में वीडियो कॉल पर नकली पुलिस, नकली सीबीआई व जज वकील आदि बनकर पैसों की ठगी करते हैं आप सभी तुरंत डायल 1930 पर कॉल करके अपनी अपनी शिकायत अवश्य ही दर्ज करवाए। रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट दिनेश बंसल ने आँखों की समस्या के बारे में बताया उनका समाधान भी बताया कि आजकल पढ़ने वाले बच्चों के बहुत ज्यादा चश्मे लगे हुए हैं आँखों की समस्या के लिए इन उन सावधानिया का देखना बहुत जरूरी है।

इन्होंने जीते पुरस्कार

हरियाणवी स्किट में अग्रवाल कॉलेज ने पहला, एसडी कॉलेज पलवल ने दूसरा व केएल मेहता दयानंद कॉलेज ने तीसरा स्थान हासिल किया। संस्कृत नाटक में पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज ने पहला, अग्रवाल कॉलेज ने दूसरा व केएल मेहता दयानंद महिला कॉलेज ने तीसरा स्थान हासिल किया। संस्कृत नाटक में अग्रवाल कॉलेज के छात्र को बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। हिंदी नाटक में डीएवी कॉलेज को पहला, अग्रवाल कॉलेज को दूसरा, राजकीय कॉलेज खेड़ी गुजरान व पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज को तीसरा स्थान दिया गया। माइम में पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज ने पहला, एसडी कॉलेज पलवल ने दूसरा, अग्रवाल कॉलेज व श्रीमती सुषमा स्वराज कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्लासिकल म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट (नॉन पर्कशन) में पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय कॉलेज ने पहला, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने दूसरा व झज्जर के राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सोलो डांस मेल में अग्रवाल कॉलेज ने पहला, राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान ने दूसरा व नेहरू कॉलेज ने तीसरा स्थान हासिल किया। हरियाणवी डांस सोलो में केएल मेहता दयानंद महिला कॉलेज पहले, डीएवी शताब्दी कॉलेज दूसरे व पलवल के सरस्वती महिला कॉलेज [illegible] जनरल में केएल मेहता कॉलेज की टीम ने बाजी मारते हुए पहला, नेहरू कॉलेज की टीम दूसरा और डीएवी शताब्दी कॉलेज की टीम तीसरा स्थान प्राप्त किया। लाइट म्यूजिक वोकल वेस्टर्न सॉन्ग वेस्टर्न सोलो में केएल मेहता दयानंद कॉलेज पहले, अग्रवाल कॉलेज दूसरे व नेहरू कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट सोलो में मेजबान अग्रवाल कॉलेज पहले, डीएवी शताब्दी कॉलेज दूसरे व केएल मेहता दयानंद कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। हरियाणवी कविता पाठ में डीएवी शताब्दी ने पहला, राजकीय महिला कॉलेज ने दूसरा और नेहरू कॉलेज फरीदाबाद तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में डीएवी शताब्दी कॉलेज पहले, बहादुरगढ़ स्थित वीएएसएम कॉलेज दूसरे, सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय व राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान संयुक्त से तीसरे स्थान पर रहा। पंजाबी कविता गायन में डीएवी शताब्दी कॉलेज पहले, सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला कॉलेज दूसरे व नेहरू कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। अंग्रेजी डिबेट में पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज पहले, सरस्वती महिला कॉलेज पलवल दूसरे व झज्जर स्थित एसआईएएसटीई तीसरे स्थान पर रहा। अंग्रेजी डिबेट में नेहरू कॉलेज ने पहला, डीएवी शताब्दी कॉलेज ने दूसरा और एसआईएएसटीई कॉलेज झज्जर तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय द्वितीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान खेलो इंडिया की स्वर्ण पदक विजेता और महाविद्यालय की एमएससी फाइनल की छात्रा सुनीता गोस्वामी ने छात्राओं को शपथ दिलाई।

उसके बाद 800 मीटर की दौड़ से प्रतियोगिता का आरंभ किया। इसके बाद डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो, लंबी कूद, ऊंची कूद, थ्री लेग रेस व अन्य प्रतियोगिताएं भी कराई गई। प्रतियोगिता से पहले पूर्व मंत्री व स्थानीय विधायक मूलचंद शर्मा, तिगांव राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर व अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता की ओर से महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रितिका गुप्ता व खेल विभाग के प्रभारी डॉ. चंद्रशेखर ने विधिवत रूप से महाविद्यालय का ध्वजारोहण कराया। इस मौके पर महाविद्यालय के खेल मंडल के सदस्य डॉ. सपना नागपाल, डॉ. उषा दहिया, डॉ. ऋचा व डॉ. भावना कौशिक, डॉ. सपना सचदेवा, डॉ. रमनप्रीत कौर, डॉ. अमोल, डॉ. धर्मवीर सिंह वशिष्ठ व अन्य लोग मौजूद रहे।

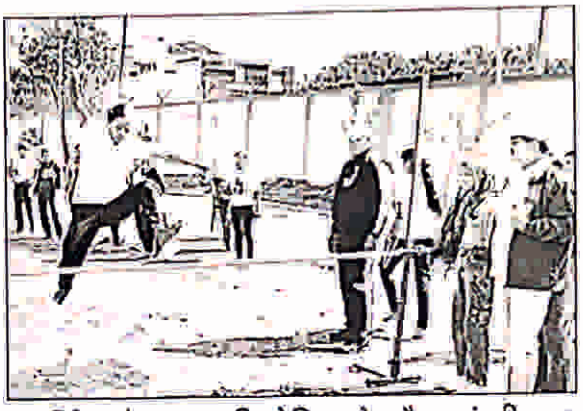

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में भाग लेती प्रतिभागी। संवाद

'सड़क सुरक्षा के बारे में हों जागरूक'

NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद : सड़क सुरक्षा का ज्ञान शहर के अलावा गांव के बच्चों को भी दिया जाना बहुत जरूरी है। इसी कड़ी में बल्लभगढ़ स्थित गवर्नमेंट कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक कैंप पर विशेष सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, साइबर सेल, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह मौजूद थे। उन्होंने बताया कि हम गांव व शहर के बच्चों को रोड सेफ्टी के बारे में जागरूक कर रहे हैं। क्योंकि स्कूल जाने वाले बच्चें दोपहिया वाहन लेकर जाते हैं। उन्हें ट्रैफिक नियमों का ज्ञान नहीं होता और वह दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इसलिए हम सबको सड़क नियम बिल्कुल नहीं तोड़ने चाहिए।

SMT. SUSHMA SWARAJ GOVT. COLLEGE FOR GIRLS
SECTOR-E, BALLABGARH

कलयुगीन दुनिया

परिस्थिति देख मुख मोड़े, अपने भय पराये ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

धन देख आवे लोग, निर्धन न पूछे कोई ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

दिखावे के आदि लोग, असलियत न बताते कोई ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

घर बटा परिवार बटा, बट गए भाई-भाई ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

माँ-बाप को आश्रम भेज, खिलखिला कर हँसते लोग ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

सद्भावना की भावना भूल, अपना-अपना करते लोग ।
इस कलयुगीन दुनिया में, अपने भय पराये ।।

अंजलि कुमारी
बी०ए० तृतीय वर्ष
रोल नं० 1220231002061

माँ

रमनीय तेरी मुखाकृति, जिसे देख सब रंज भूलू ।
तेरी मुखाकृति ऐसी माँ, जैसे स्वर्ग की देवी तू ।।

तूने दिये संस्कार वो, जिसे हमेशा स्मरण रखूँ ।
तू है, तो फिर क्या, मैं हमेशा मस्त रहू ।।

रमनीय तेरी मुखाकृति, जिसे देख सब रंज भूलू ।
तेरी मुखाकृति ऐसी माँ, जैसे स्वर्ग की देवी तू ।।

तू जब घर में ना हो तो, जैसे लगता घर-घर नहीं ।
तेरी एक झलक देख, फिर सिल जाता मेरा मुख ।।

रमनीय तेरी मुखाकृति, जिसे देख सब रंज भूलू ।
तेरी मुखाकृति ऐसी माँ, जैसे स्वर्ग की देवी तू ।।

इस अन्जानी दुनिया में, तू ही तो है जान मेरी ।
तेरा हँसता मुख देख, मैं भूल जाऊ सब गम प्रिय ।।

रमनीय तेरी मुखाकृति, जिसे देख सब रंज भूलू ।
तेरी मुखाकृति ऐसी माँ, जैसे स्वर्ग की देवी तू ।।

अंजलि कुमारी
बी०ए० तृतीय वर्ष
रोल नं० 1220231002061

भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान

यदि भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान न होता,
तो आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन न होता ।
डॉ० विक्रम अंबालाल साराभाई ने दिया अपना योगदान,
तभी से।SRO नामक कार्यक्रम में आई जान ।।१।।

होमी जहांगीर ने जब की परमाणु भौतिकी की स्थापना ,
तब भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक के रूप में भारत ने इन्हें जाना ।
चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने प्रकाश के प्रकीर्णन और क्वांटा में तरंग का किया ज्ञान,
तभी १९३० में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से किया गया इनका सम्मान ।।२।।

हरगोबिन्द खुराना ने आनुवंशिकी में शोध किया,
तभी जैव रसायन के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया ।
एम. विश्वेश्वरैया ने सिविल इंजीनियरिंग में भारत रत्न प्राप्त किया,
तभी इनके जन्म दिवस १५ सितंबर को इंजीनियर दिवस में विख्यात किया ।।३।।

डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम ने रॉकेट और ऐरोस्पेस को किया उन्मुख,
तभी से मिसाइल मैन और भारत रत्न हुए प्रमुख ।
यदि भारतीय वैज्ञानिको का योगदान न होता,
तो आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन न होता ।।४।।

रचना
B.Sc.(Non-Med) II Year
Roll No. : 1230822010

कविता

क्या लड़की होना गुनाह है माँ
दुनिया से मैं डरती हूँ ,
खुद से खुद में लड़ती हूँ ,
टूटे हुए शीशे के जैसे हर रोज़ बिखरती हूँ ,
तारों की छाँव में क्या हमें निकलना मना है माँ ।
क्या लड़की होना गुनाह है माँ – २

हर इच्छाओं को भी मार दिया ।
छोटे कपड़ों को त्याग दिए ।
न चाहते हर रिश्ते को दिल से बाँध लिया ।
खुशी में सोचा हँस लूँ पर क्या
हमें हँसना भी बुरा है माँ ।
क्या लड़की होना गुनाह है माँ – २

अंजान डोरी से बाँध दिया
इस रिश्ते को भी क्या अजीब नाम दिया ।
दो घरों को सँभाला फिर भी न सम्मान मिला
अब आँसुओं को भी पी लिया ।
क्या हमें रोते हुए सुना है माँ ।
क्या लड़की होना गुनाह है माँ – २

कदर हुई न कही हमारी
जीते भी तो ये इच्छा तुम्हारी
उँगली पे नाचने वाले कठपुतली बन गए
क्या लाशों को नाचते सुना है माँ
क्या लड़की होना गुनाह है माँ – २

दरिद्रों भरी इस दुनिया में,
साँसों की गुनजाईश नहीं
अपनों से भी डरने लगे, कोई रहा भाई नहीं ।
समझना चाहा इस दुनियाँ को ।
क्या अपना समझना सजा है माँ ।

क्या लड़की होना गुनाह है माँ
क्या बिटिया होना गुनाह है माँ ।

अन्शु
बी.बी.ए.–प्रथम
रोल नं० 8376015628

जीवन का एक मोड़

सब कुछ बहुत मुश्किल है, पर मैं रूक नहीं सकती
क्योंकि रुकने का मतलब होगा हार मानना और
उसके बाद जिंदगी जीना भी मुश्किल होगा ।

इसलिए हालातों की मुश्किलें मंजूर हैं
पर जिंदगी की नहीं
क्योंकि हालात बहुत छोटे हैं
और जिंदगी बहुत बड़ी ।

वैसे भी कुछ मुश्किल हालातों से
पूरी जिंदगी तो बुरी नहीं हो जाती ।

माना अब तक सब बुरा रहा,
पर आगे का सूरज कितना रोशन हो,
इसका अंदाज़ा तो न मुझे है और न ही
मेरे सपनों को ।

इसलिए एक कदम फिर आगे बढ़ाऊँगी,
ज्यादा से ज्यादा क्या होगा
फिर हालातों से हार जाऊँगी
पर इन हालातों की लड़ाइयों से
जीवन जीना सीख जाऊँगी ।

भूमिका वर्मा
बी०कॉम० तृतीय
रोल नं० 1230499015

15/02/2025

छात्राओं को लेना चाहिए सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा : मूलचंद शर्मा

गोपाल अरोड़ा

बल्लभगढ़। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि उनकी लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि सुषमा स्वराज 7 बार संसद की सदस्य के तौर पर चुनी गईं। इसी दौरान उनको उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी मिला था। वहीं साल 1996 में वाजपेयी की सरकार में सुषमा स्वराज सूचना और प्रसारण मंत्री के तौर पर कैबिनेट में शामिल हुई थीं। फिर साल 1998 में केंद्रीय मंत्रिमंडल को छोड़कर वह दिल्ली की पहली महिला सीएम बनीं। साथ ही उनको एक राजनीतिक दल की पहली महिला प्रवक्ता होने का गौरव प्राप्त है। उनके बोलने के कौशल की वजह से सुषमा स्वराज को लगातार तीन साल तक राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ हिंदी स्पीकर का पुरस्कार मिला था। आज के विद्यार्थियों को सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। और अपने जीवन को संवारने का अथक प्रयास करते रहना चाहिए। वे शुक्रवार को सुषमा स्वराज की जयंती के मौके पर कॉलेज में आयोजित दूसरे वार्षिक खेल उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। विधायक मूलचंद शर्मा ने अपनी बात को जारी रखते हुए विद्यार्थियों एवं मौजूद लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुषमा स्वराज भारत की सबसे प्रसिद्ध राजनेताओं में से एक थीं। [illegible]

[illegible]

सुषमा स्वराज कॉलेज में उनकी जयंती पर खेल उत्सव का आयोजन

सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा लें छात्राएं: विधायक शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि उनकी लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि सुषमा स्वराज 7 बार संसद की सदस्य के तौर पर चुनी गईं। इस दौरान उनको उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी मिला था। वहीं साल 1996 में वाजपेयी की सरकार में सुषमा स्वराज सूचना और प्रसारण मंत्री के तौर पर कैबिनेट में शामिल हुई थीं। फिर साल 1998 में केंद्रीय मंत्रिमंडल को छोड़कर वह दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। साथ ही उनको एक राजनीतिक दल की [illegible] प्राप्त है। उनके बोलने के कौशल की वजह से सुषमा स्वराज को लगातार तीन साल तक राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ हिंदी स्पीकर का पुरस्कार मिला था। आज के विद्यार्थियों को सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। और अपने जीवन को संवारने का अथक प्रयास करते रहना चाहिए। वे शुक्रवार को सुषमा स्वराज की जयंती के मौके पर कॉलेज में आयोजित दूसरे वार्षिक खेल उत्सव में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे थे। विधायक मूलचंद शर्मा ने अपनी बात को जारी रखते हुए विद्यार्थियों एवं मौजूद लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुषमा स्वराज भारत की सबसे प्रसिद्ध [illegible]

छात्राओं को लेनी चाहिए सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा : शर्मा

▶▶ हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 14 फरवरी। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि उनकी लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि सुषमा स्वराज 7 बार संसद की सदस्य के तौर पर चुनी गईं। इस दौरान उनको उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी मिला था। आज के विद्यार्थियों को सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। और अपने जीवन को संवारने का अथक प्रयास करते रहना चाहिए। वे सुषमा स्वराज की जयंती के मौके पर कॉलेज में आयोजित वार्षिक खेल उत्सव में मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे थे।

छात्राओं को लेना चाहिए सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा : मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद, 14 फरवरी (सूरजमल): पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि उनकी लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि सुषमा स्वराज 7 बार संसद की सदस्य के तौर पर चुनी गईं।

इस दौरान उनको उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार भी मिला था। वहीं साल 1996 में वाजपेयी की सरकार में सुषमा स्वराज सूचना और प्रसारण मंत्री के तौर पर कैबिनेट में शामिल हुई थीं। फिर साल 1998 में केंद्रीय मंत्रिमंडल को छोड़कर वह दिल्ली की पहली महिला सीएम बनीं। साथ ही उनको एक राजनीतिक दल की पहली महिला प्रवक्ता होने का गौरव प्राप्त है। उनके बोलने के कौशल की वजह से सुषमा स्वराज को लगातार तीन साल तक राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ हिंदी स्पीकर का पुरस्कार मिला था। आज के विद्यार्थियों को सुषमा स्वराज के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने जीवन को संवारने का अथक प्रयास करते रहना चाहिए। वे शुक्रवार को सुषमा स्वराज की जयंती के मौके पर कॉलेज में आयोजित दूसरे वार्षिक खेल उत्सव में मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे थे। विधायक मूलचंद शर्मा ने अपनी बात को जारी रखते हुए विद्यार्थियों एवं मौजूद लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुषमा स्वराज भारत की सबसे प्रसिद्ध राजनेताओं में से एक थी रहा। इस मौके पर प्रिंसिपल रितिका गुप्ता, प्रिंसिपल राधिका खुल्लर, प्रिंसिपल अग्रवाल कॉलेज संजीव गुप्ता, चंद्रशेखर, सपना सरदेवा, उमा डांडवाल, सपना नागपाल, भावना शर्मा सहित अन्य कॉलेजों ने आए प्रोफेसर भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए विधायक मूलचंद शर्मा।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाया दमखम

विजेता छात्राओं को सम्मानित करते हुए पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मनीष नरवाल और जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डा. सुनिधि सहित अन्य • सौ. महाविद्यालय

जागरण संवाददाता, बल्लभगढ़: श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय द्वितीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एमए अंग्रेजी की छात्रा मिथलेश को चुना गया है। सभी विजेता छात्राओं को सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मनीष नरवाल, जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डा. सुनिधि, कन्या महाविद्यालय नचौली की प्राचार्या डा. अर्चना वर्मा, डा. रितिका गुप्ता, खेल विभाग के इंचार्ज डा.चंद्रशेखर, डा.सपना, डा. उषा, डा. बलबीर, डा. जगबीर सिंह, डा. ऋचा और डा. भावना कौशिक ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए पुरस्कार वितरित किया। अतिथियों ने अन्य छात्राओं को भी खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

इन विद्यार्थियों ने जीता पुरस्कार: सौ मीटर रेस में मिथलेश ने प्रथम, सुनीता ने द्वितीय और पायल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दो सौ मीटर की दौड़ में ज्योति और पायल ने प्रथम और प्रिती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। चार सौ मीटर की दौड़ में डिंपल ने प्रथम, ज्योति ने द्वितीय और मुस्कान से तृतीय स्थान प्राप्त किया है। लांग जंप में मिथलेश ने प्रथम, निशा ने द्वितीय, अंजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। डिस्क थ्रो में सुनीता ने प्रथम, प्रगति ने द्वितीय और मंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। शाटपुट में सुनीता ने प्रथम, निशा और काजल ने द्वितीय, सेक रेस में रिया ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय तथा मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लेग रेस में किर्ती और तनु ने प्रथम, दुलारी और मोनिका ने द्वितीय तथा निशा व रकसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

बेस्ट एथलीट बनी मिथलेश

■ **NBT न्यूज, फरीदाबाद :** सेक्टर दो स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या कॉलेज में आयोजित की गई दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। इस दौरान पैरालिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट मनीष नरवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रितिका गुप्ता ने उनका स्वागत किया। मनीष ने छात्राओं को सच्ची खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया और सभी का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में सबसे अधिक इवेंट में पुरस्कार प्राप्त करने के चलते एमए इंग्लिश की छात्रा मिथलेश को बेस्ट एथलीट चुना गया।

22/11/2024 दैनिक जागरण (फरीदाबाद)

महोत्सव : राजकीय कालेज की छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्श

भगढ़: महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में ... नवंबर तक चले अंतर क्षेत्रीय युवा ... में श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय ... कालेज की छात्राओं ने फाइन में आर्ट ... प्रतियोगिता तथा थिएटर व माइम में ... शानदार प्रदर्शन किया। कालेज की ... गतिविधियों की इंचार्ज डा. सपना ... ने बताया कि पेंटिंग में सोनिया, ... व सविता तथा पोस्टर मेकिंग में ... स्थान प्राप्त किया। कार्टूनिंग में मोना ... स्थान हासिल किया। इस सफलता पर ... की प्राचार्या रितिका गुप्ता, डा सपना ... उषा दहिया, रमनप्रीत कौर, डा ऋचा, डा.मीना, अमोल सिंह, डा.कुलदीप, ... छात्राओं को बधाई दी।

- एमडीयू में 18 से 20 तक आयोजित किया गया था समारोह
- श्रीमती सुषमा स्वराज कालेज की छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

एमडीयू में आयोजित युवा महोत्सव में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा श्रीमती सुषमा स्वराज महिला कालेज की हाथों में प्रमाण पत्र लेकर प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता के साथ खड़ी हुई • सौ. कालेज पीआरओ

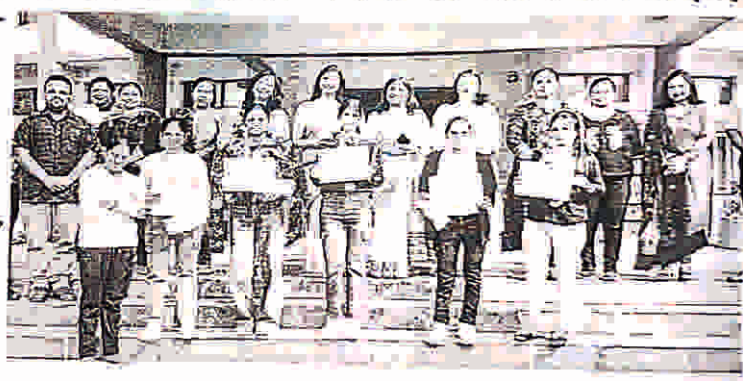

मिथलेश को चुना गया बेस्ट एथलीट

सुषमा स्वराज कन्या महाविद्यालय में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते मनीष नरवाल । स्रोत: महाविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। सेक्टर 2 स्थित सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय द्वितीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मनीष नरवाल मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल की सच्ची भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की बेस्ट एथलीट एमए इंग्लिश की मिथलेश को चुना गया।

प्रतियोगिता के 100 मीटर दौड़ में मिथलेश प्रथम, सुनीता द्वितीय, पायल तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में ज्योति व पायल प्रथम रहीं, प्रीति दूसरे स्थान पर रहीं। 400 और 800 मीटर दौड़ में डिंपल प्रथम, ज्योति द्वितीय और मुस्कान तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में मिथलेश प्रथम, निशा द्वितीय, ज्योति और अंजलि तृतीय स्थान पर रहीं।

पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मनीष नरवाल ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

ऊंची कूद में मिथलेश प्रथम, ज्योति द्वितीय और सुनीता तृतीय स्थान पर रहीं। गोला फेंक में सुनीता प्रथम, निशा और काजल वर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो में सुनीता प्रथम, प्रगति द्वितीय और मनु तृतीय स्थान पर रहीं।

राजकीय महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. बलबीर दहिया व अग्रवाल महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह का इस सफल आयोजन में अहम योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रितिका गुप्ता, खेल विभाग के इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर, स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य डॉ. सपना नागपाल, डॉ. उषा दहिया, डॉ. ऋचा व डॉ. भावना कौशिक मौजूद रहीं।

दो दिवसीय खेलकूद में दिखाई प्रतिभा

NBT न्यूज, बल्लभगढ़ : सेक्टर-2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज गवर्नमेंट महिला कॉलेज में शुक्रवार को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। शुभारंभ स्थानीय विधायक मूलचंद शर्मा, गवर्नमेंट कॉलेज तिगांव की प्रिंसिपल डॉ. रुचिका खुल्लर, अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजीव गुप्ता, कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रितिका गुप्ता व खेल विभाग के इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर ने कॉलेज का ध्वजारोहण कर कराया। इसके पश्चात छात्राओं को खेलो इंडिया की गोल्ड मेडलिस्ट व कॉलेज की छात्रा सुनीता गोस्वामी ने शपथ दिलवाई। प्रतियोगिता 800 मीटर की दौड़ से आरंभ हुई। इसके पश्चात डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो, लंबी कूद, ऊंची कूद, थ्री लैग रेस आदि प्रतियोगिता भी कराई गईं। प्रतियोगिता में सपना सचदेवा, रमनप्रीत कौर, अमोल, धर्मवीर वशिष्ठ, दिव्या, चंचल, श्रुति, दीपशिखा व पूनम सिंह ने भी अपना सहयोग दिया।

एथलीट मीट: ऊंची कूद में मिथलेश प्रथम, ज्योति द्वितीय

- श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में हुआ आयोजन
- प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक मूलचंद शर्मा ने किया

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में आयोजित दो दिवसीय एथलीट मीट में ऊंची कूद कूदती हुई छात्रा • जागरण

[illegible]

'पढ़ाने की नई तकनीक सीखें प्राध्यापक'

जागरण संवाददाता, बल्लभगढ़ : श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में इंपावर एजुकेटर विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी मुख्य अतिथि वक्ता कैप्टन डा. सुनैना सिंह और डा. नमिता गुप्ता थीं। कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता के निर्देशन में डा. सपना सचदेवा नायर और डा. रमनप्रीत कौर ने किया। इसमें विभिन्न कालेज के 60 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. सुनैना सिंह ने कहा कि जो शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक आ रही है, पढ़ाने से पहले प्राध्यापकों को उसके अनुसार खुद को तैयार करना होना होगा। यदि स्वयं को तैयार नहीं किया तो फिर छात्र प्राध्यापकों से आगे निकल जाएंगे और वह उनको सुनवाई नहीं करेंगे। [illegible]

राष्ट्रीय कार्यशाला की मुख्यातिथि डा. सुनैना सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करती हुए श्रीमती सुषमा स्वराज कालेज की प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता व अन्य प्राध्यापक •

लिए कालेज प्रबंधन को अपना प्रस्तुतिकरण किस तरह से करना है, इसके लिए अच्छी तरह से पहले से ही तैयारी करनी चाहिए। तभी कुछ लिया जा सकता है। कार्यशाला में उप्सतर जिला शिक्षाधिकारी डा. सुनीता का श्रीमती सुषमा स्वराज [illegible] और सभी प्राध्यापकों का धन्यवाद किया। अलग-अलग कालेजों के प्राचार्यों में डा. अर्चना, डा. रुचिका खुल्लर, डा. संजीव गुप्ता और मेवाला कालेज के प्राध्यापकों में डा. उषा दहिया, डा. ऋचा, डा. चंद्रशेखर, डा. भावना कौशिक डा. [illegible]

विद्यार्थियों द्वारा बनाए नवजीवनपुर व एआई आधारित कृषि माडल रहे प्रथम स्थान पर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

दीपांशी छात्रा श्रीमती सुषमा स्वराज महाविद्यालय।

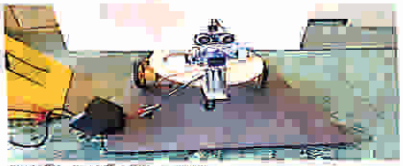

SMT. SUSHMA SWARAJ GOVT. COLLE
SECTOR-6 BALLABGARH
CYCLOTHON 2.0

वो औरत

वो रोज़ सुबह जल्दी उठती है,
सपनों को रोटी में बेलती है ।
कभी माँ के रूप में, तो कभी
बहन सी प्यारी ।
कभी बेटी बनकर मुस्कुराती है
सारी दुनिया पर भारी ।

वो भी थकती है, टूटती है
अन्दर से,
पर चेहरे पर मुस्कान का
काजल लगाए रखती है ।
कभी किसी की आवाज़ बनती है ।
तो कभी खुद चुप रहकर भी
बहुत कुछ कहती है ।

उसे फूलों से नहीं, चट्टानों से
तुलना दो,
वो हँसती है जब भी ज़माना
कहता है – '' तू कमज़ोर है, तू क्या कर पाएगी ?''

वो हँसती है, क्योंकि उसे
खुद पर यकीन है ।
कि उसकी खामोशी भी
तूफान ला सकती है ।

वो हार नहीं मानती, बस
कभी-कभी थम जाती है,
अपने जख्मों को अकेले

सहलाती है ।
कभी कॉलेज की पढ़ाई
में खो जाती है,
तो कभी घर के कामों
में खुद को भूल जाती है ।

पर फिर भी वो हर सुबह
खुद को नये सिरे से उठाती है ।
टूटी हुई चीज़ों से भी सपने
सजाती है ।
वो औरत है–कमज़ोर नहीं ।
बस थोड़ा सा सब्र की मिसाल है,
और थोड़ी सी रोशनी ।

अगर कभी लगे की तुम अकेली हो –
याद रखना,
तुम्हारी तरह लाखों लड़कियाँ लड़ रही हैं ।

पर हर रोज़ थोड़ा और खिल रही हैं ।
क्योंकि इस दुनिया की सबसे हसीन बात यही है
''एक औरत खुद को हर बार फिर से बना सकती है ।''

कीर्ति
बी०कॉम० वोकेश्नल तृतीय वर्ष
रोल नं० 36

वो मुस्कराते हुए फूल

वो मुस्कुराते हुए फूल
लग रहे हैं कितने प्यारे से
जिन्हें देखकर मैं भी मुस्करा रही हूँ
वो दिख रहे हैं कितने सुंदर है

एक दिन बैठी सोच रही थी
कहाँ से आये ये रंग,
उतने सारे से
कौन लाया ये रंग जो
लग रहे हैं बड़े प्यारे से

भिन्न-भिन्न रंग है इनके
जो जग में है सबसे न्यारे से
दुखी व्यक्ति भी इन्हें देखकर,
हो रहे हैं खुशहाली से
वो मुस्कराते हुए फूल
लग रहे हैं बड़े प्यारे से

फूलों में संगीत छिपा है
जो परे है दुनिया के सारे नज़ारों से
गिरती बारिश भी बढ़ा देती
सुंदरती इनकी
और खुशबु महका देती है जग सारे
वो मुस्कराते हुए फूल
लग रहे हैं कितने प्यारे से ।

कशिश
बी०ए० तृतीय
रोल नं० 192

आधुनिकता का कहर

- चमकती Screen की दुनिया में
  चेहरे अब Filter में छुपते है
  दिल की बातें कम होती हैं, यहाँ
  Status में जज्बात दिखते हैं ।

- फैशन की रफतार में लोग
  रिवाजों को भूलते जाते हैं
  पुरानी पहचान छूट गई
  अब Trends के पीछे भागते हैं ।

- 10-15 likes के चक्कर में लोग,
  अपनों को Block कर रहे हैं
  Insta, Facebook पर Account बनाकर
  अपने आप को महान समझ रहे हैं ।

- अब दोस्ती को Followers में नापा जाता है
  View कितने हो गए
  ये बार–बार देखा जाता है
  संस्कार अब Reels में आते हैं
  जज्बात Status के द्वारा बताए जाते हैं ।

- संगीत है पर सुर नहीं
  डांस है पर कथक की बात नहीं
  Knowledge है, पर अनुभव की जगह नहीं
  और रिश्ते हैं, पर वक्त देने की आदत नहीं ।

- आधुनिकता कोई दोष नहीं
  पर संस्कारों को छोड़ना भी सही नहीं ।।

वंदना
एम.ए. द्वितीय
रोल नं० 2242743018

मैं भी इंसान हूँ .....

लड़का बोला, मैं आसमान छूँ लूँ,
सबने कहा, तू तो कर ही लेगा – क्यों न हो, तू लड़का है ।

लड़की बोली, मैं भी आसमान में उड़ना चाहती हूँ,
कहा गया – पर तेरी मर्यादा है ।

कभी खिलौनों का फर्क, कभी कपड़ों की रोक
कभी लड़की के सपनों को बांधा, कभी उड़ानों को रोका

क्यों? क्योंकि मैं एक लड़की हूँ, इसलिए,
क्या मैं इंसान नहीं ?
क्या मेरा भी कोई अरमान नहीं ?

जब दर्द होता है तो आँसू मेरी भी आँखों से गिरते हैं,
तो फिर क्यों मेरे सपने, मेरे हक, सबसे पीछे हटते हैं ।

फिर क्यों नौकरी में, शादी में
मेरे लिए नियम बदले जाते हैं ।

मत देखो मुझे एक लड़की या लड़के की नज़र से
देखो मुझे इंसान की नज़र से ।

मैं भी कुछ कर दिखा सकती हूँ
बस तुम भरोसा तो रखो ...
मैं भी आसमान छू सकती हूँ ।

अंजलि
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501104

महिला कालेज की छात्राओं को बांटी जर्सी-जैकेट

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में जरूरतमंद छात्राओं को जर्सी व जैकेट वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विधायक मूलचंद शर्मा, प्राचार्य रीतिका गुप्ता। • सौ. कालेज पीआरओ

जासं, बल्लभगढ़: श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में जरूरतमंद 200 छात्राओं को जर्सी व जैकेट बांटी गई। ये कालेज की रेडक्रास सोसायटी की इंचार्ज डा. भावना कौशिक ने वुमेन सेल और भारत विकास परिषद के अजय शर्मा, राम भारद्वाज की तरफ से पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने बांटी। इस मौके पर कालेज की प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता ने सभी का धन्यवाद किया। कालेज में सरकारी अस्पताल के डाक्टरों की तरफ से अनीमिया की कमी को लेकर 515 छात्राओं की जांच की गई। इस मौके पर डा. सपना नागपाल, डा. सपना सचदेवा, डा. ऊषा दहिया, डा. ऋचा, डा. चंद्रशेखर, डा. अमोल, डा. धर्मवीर सिंह, डा. कुलदीप, डा. पूनम मलिक डा. दिव्या मौजूद थी।

कॉलेज में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

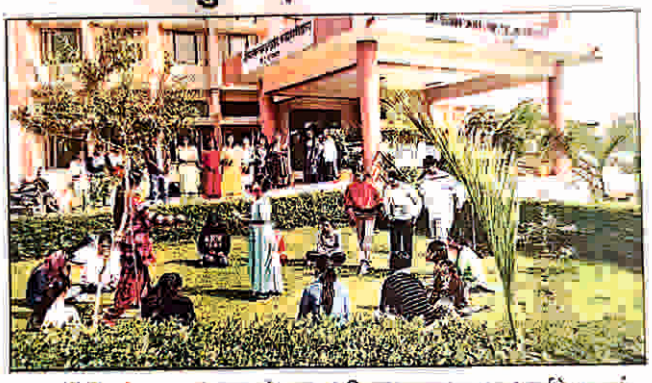

■ एनबीटी न्यूज, बल्लभगढ़: सेक्टर-2 स्थित सुषमा स्वराज गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज में बुधवार को नशीली दवाओं और उसके नुकसान के बारे में जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्रांगण में छात्राओं की ओर से प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ के निर्देशन में हुई। जिसमें कॉलेज की प्रिंसिपल रितिका गुप्ता ने छात्राओं को घर और समाज आदि को नशे के नुकसान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल रितिका गुप्ता, डॉ.सपना नागपाल, डॉ उषा दहिया, डॉ.ऋचा, चंद्रशेखर, डॉ.भावना कौशिक, डॉ.चंचल व दिव्या आदि मौजूद रहे।

कैसे बढ़ेगा भौतिकी का ज्ञान, नहीं पढ़ाया जा रहा विज्ञान

राजकीय महिला कॉलेज में पत्रिका का किया विमोचन

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : सेक्टर दो स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या कॉलेज में वार्षिक पत्रिका कृत्यों का विमोचन किया गया। इस दौरान भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय कन्या कॉलेज नचौली की प्रिंसिपल डॉ. अर्चना वर्मा भी मौजूद रहीं। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रितिका गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया और पुस्तक का विमोचन किया। यह पत्रिका का तीसरा अंक था, जिसमें कॉलेज की छात्राओं [illegible] के लेखों को स्थान दिया गया। [illegible] संपादन डॉ. ऋचा गुप्ता, डॉ. [illegible] डॉ. रमन प्रीत कौर, डॉ. [illegible] अमोल की देखरेख में किया [illegible] पर छात्राओं ने सांस्कृतिक [illegible] किए। मंच का संचालन डॉ. [illegible] डॉ. सपना नागपाल ने किया। [illegible] पर डॉ. भावना कौशिक, डॉ. [illegible] धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. कुलदीप, डॉ. [illegible] डॉ. चंचल [illegible] मौजूद रहे।

15/11/2024 (दैनिक जागरण) फरीदाबाद

पेंटिंग में सोनिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

महोत्सव में अच्छा प्रदर्शन करने वाली सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज की छात्रा हाथों में प्रमाण पत्र लिए प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता के साथ • सौ. कालेज पीआरओ

जासं, बल्लभगढ़ : क्षेत्रीय युवा महोत्सव में श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लिटरेरी में सात, फाइन आर्ट में नौ, थिएटर में माइम सहित कालेज की छात्राओं ने कुल 17 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। पेंटिंग में सोनिया, फोटोग्राफी श्रुति, हिंदी में रिद्धि व सविता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। माइम, कार्टूनिंग, पोस्टर मेकिंग में तीसरा स्थान रहा। प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता ने सभी को छात्राओं और प्रतियोगिता के इंचार्ज प्राध्यापकों को इस सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने इंटर जोनल युवा महोत्सव में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर कालेज की सांस्कृतिक गतिविधियों की इंचार्ज डा. सपना सचदेवा नायर, डा. सपना नागपाल, डा. उषा दहिया, डा. रमनप्रीत कौर डा. ऋचा, चंद्रशेखर, डा. भावना कौशिक, डा. मोना, अमोल सिंह, डा. कुलदीप, डा. धर्मवीर सिंह वशिष्ठ, दिव्या, डा. चंचल मौजूद थे।

विचार

जब लड़का या लड़की की स्कूली पढ़ाई पूरी होती है तो लड़का बाईक, स्कूटी, स्मार्टफोन माँगता है– लेकिन लड़की लड़की सिर्फ आगे पढ़ने की इज़ाजत माँगती है ।

आज के समय में देखा जाए तो लड़कियाँ लड़कों से आगे हैं –

- हमारे देश की राष्ट्रपति एक महिला हैं । – द्रौपदी मुर्मू
- हमारे देश की सबसे प्रसिद्ध गायिका एक महिला थीं – लता मंगेश्कर (कोकिला भी कहते हैं)
- हमारे देश की प्रथम आई.पी.एस. एक महिला थी । – किरन बेदी
- लगभग नौ महीने अंतरिक्ष में रहने वाली भी एक महिला थी । – सुनीता विलियम्स

तो मेरी आपसे केवल यही गुजारिश है कि बेटियों को पढ़ने व आगे बढ़ने का कम–से–कम एक अवसर जरूर दें । वो बहुत कुछ कर सकती हैं ।

– बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

अंजलि

बी०ए० प्रथम

रोल नं० 1250501104

THOUGHT

" The most important skill for a computer scientist is problem solving. Even if you don't know all the details of the technology you are using. If you can solve the problem, you can figure out how to do it."

Esha

BCA-I

माँ-बाप का प्यार

माँ की ममता, बाप का सहारा,
इनसे बड़ा नहीं कोई हमारा सितारा

माँ के आँचल में सुकून मिलता है,
बाप के कंधे पर जहाँ मिलता है ।

माँ बिना कहे सब समझ जाती है ।
बाप बिना बोले सब निभा जाता है ।

कभी डाँटते हैं, कभी समझते हैं ।
हर मुश्किल में चुपचाप साथ निभाते हैं ।

कभी थकते नहीं, कभी रूकते नहीं
हमारे लिए हर दिन कुछ न कुछ करते हैं ।

माँ है पूजा, बाप है चिश्वास,
इनके बिना अधूरी है हमारी साँस ।

हम जो कुछ भी बन पाएँगे,
उसमें माँ-बाप का ही नाम आएगा ।

कशिश
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501101

'चलते रहना'

कुछ करना, तो डटकर चल
थोड़ा दुनियां से हटकर चल
लीक पर तो सभी चल लेते हैं
कभी इतिहास को पलटकर चल!
बिना काम के मुकाम कैसा ?
जब तक न हासिल हो मंजिल
तो राह में आराम कैसा ?
अर्जुन सा निशाना रखा ।
मन में, ना कोई बहाना रख !
लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रख ।
सोच मत, साकार कर !
अपने करमों से प्यार कर ।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल
किसी और का ना इंतजार कर ।
जा चले थे अकेले उनके पीछे
आज मेले हैं, जो करते रहे इंतज़ार उनकी
जिंदगी में आज भी झमेले हैं ।

रौनक यादव
बी०ए०

सुविचार

- कदम छोटे हो या बड़े, रूकने नहीं चाहिए । क्योंकि मंजिल पाने के लिए चलते रहना बहुत जरूरी है ।
- खुद को एक अच्छा इंसान बना लीजिए । ताकि दुनिया से एक बुरा इंसान कम हो जाए ।
- पिता की मौजूदगी सूर्य की तरह होती है, रहता जरूर गर्म है, लेकिन ना हो तो अंधेरा छा जाता है ।
- जिस व्यक्ति को आप की कदर नहीं है, उसके पास खड़े रहने से अच्छा है कि अकेले ही रहा जाए ।
- मंजिल चाहे कितनी भी ऊँची क्यों न हो रास्ते तो हमेशा पैरों से ही शुरू होते हैं । भले ही देर से, पर कुछ बनो जरूर क्योंकि वक्त के साथ लोग खैरियत नहीं हैसियत पूछते हैं ।

वर्षा ठाकुर
बी०ए० प्रथम

शिक्षक

पहली उंगली जिनकी पकड़ी,
जिनसे पहली शिक्षा पाई
मात पिता वो थे मेरे
जिसने मुझे पहली राह दिखाई
पर नया इतने में ही
मेरा जीवन पूर्ण हुआ ?
नहीं !
अभी एक प्रकाश का जीवन में आना बाकी था
जब विद्यालय में पॉव धरा
तब जाना क्या छूटा था
एक खान था शिक्षा का
जो बिन शिक्षक ना मिलना था
आप सभी गुरूदेवों ने
मुझको आगे का ज्ञान दिया

आँचल
बी०ए० प्रथम

मेरी प्रेम की भूमि

हमारी है ऋषियों की भूमि,
सदियों से बहादुरी के लिए जाने जाते हैं ।
उसके साथ कोई बुरा नहीं कर सकता,
यह संस्कृति है जिसे कोई समाप्त नहीं कर सकता ।

जाति या धर्म जो भी हो,
सब यहाँ साथ रहते हैं ।
नदियों के साथ, मीठे फव्वारे,
यह ऊँचे पहाड़ों की भूमि है ।

इसके हरे-भरे जंगल सुंदर हैं,
और समृद्धि के स्रोत हैं ।
आइए इसके लिए कड़ी मेहनत करे
इसकी सुरक्षा के लिए, पहरेदार बनें ।

मेरी भूमि प्रेम की भूमि .....

याशिका
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501090

यात्रा

अक्सर हम देखते हैं कि लोग यात्रा में कम दिलचस्पी दिखाते हैं । मेरा विचार है कि हमें यात्राएँ करनी चाहिए ताकि बाहर की देश दुनिया का पता चले कि लोग कैसे हैं और उनका स्वभाव कैसा है । हमें नए-नए लोगों से मिलना चाहिए ताकि बाहर के लोगों से बात करने के साथ-साथ उनके स्वभाव का पता चले । यात्राएँ करने से मन को राहत मिलती है । यहाँ तक कि दिल-दिमाग अलग ही महसूस करने लगता है और परेशानियों से राहत मिलती है ।

सपना सिंह
बी०सी०ए० प्रथम वर्ष

बेटी और बेटा में भेदभाव

हाँ बेटा और बेटी में भेदभाव होना एक गंभीर सामाजिक समस्या है । यह न केवल बेटियों के लिए अन्यायपूर्ण है, बल्कि पूरे समाज के लिए हानिकारक है । इस भेदभाव के कई कारण हैं, जिनमें सांस्कृतिक मानदंड, आर्थिक कई कारण हैं और लैंगिक रूढ़िवादिता शामिल हैं । समाजों में बेटों को पारम्परिक रूप से अधिक महत्व दिया जाता है । खासकर जब वे माता-पिता की देखभाल और संपत्ति के उत्तराधिकार की बात आती है । कुछ मामलों में बेटों को परिवार के लिए आर्थिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है । खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को अक्सर घर के काम और देखभाल भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है । जबकि लड़कों को शिक्षा और करियर के अधिक अवसर दिए जाते हैं । भेदभाव के कारण लड़कियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक अवसरों से वंचित किया जाता है ।

वर्षा यादव
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501083

शिक्षक – हमारे मार्गदर्शक

शिक्षक वह होते हैं जो अपनी ज्ञान की ज्योति से हमें प्रकाशित करते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं । माँ किसी भी व्यक्ति की पहली शिक्षक होती है जो उसे चलना, बोलना जैसी मूलभूत अवश्यकताएँ सिखाती है । शिक्षक के पेशे को सबसे अच्छी और आदर्श पेशे के रूप में माना जाता है । यह किसी के जीवन को बनाने में निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा देते हैं । शिक्षा की ओर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को शिक्षक निभाते हैं । शिक्षक बच्चों को उनके बचपन से ही नेतृत्व करते हैं और उन्हें काबिल बनाते हैं । वो हमें जीवन के प्रति सकारात्मक नज़रिया अपनाना सिखाते हैं । हमें सदैव अपने गुरू का आदर करना चाहिए । सच्चे मायनों में गुरू का आदर तभी हो सकता है, जब हम उनके बताए गए मार्ग पर चलें ।

जिया
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501010

सोशल मीडिया का प्रभाव

सोशल मीडिया का प्रभाव व्यापक और बहुआयामी है ।
जो सकारात्मक और नकारात्मक दोनो तरह के प्रभाव डालता है ।
यह लोगों को जुड़ने, जानकारी साझा करने और दुनिया भर में होने वाली घटनाओं से अवगत रहने में मदद करता है ।
हालांकि इसका अत्यधिक उपयोग चिंता, अवसाद और अकेलेपन जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म दे सकता है ।
यह समाचार घटनाओं और विभिन्न विषयों पर तुरंत जानकारी देता है ।

संध्या
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501219

शिक्षा और करियर

शिक्षा वह शक्ति है जो सपनों को साकार करती है ।
शिक्षा वह कुंजी है जो सफलता के द्वार को खोलती है ।
शिक्षा आपको दुनिया को देखने का एक नया नज़रिया देती है ।
शिक्षा आपको चुनौतियों का सामना करने और उनसे सीखने की क्षमता प्रदान करती है ।
शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो जीवन भर भी चलती रहती है ।
सफलता का रहस्य कड़ी मेहनत और दृढ़ता में है ।
अपने करियर को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएं ।

मीनाक्षी
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501083

शिक्षक दिवस

1. भारत में शिक्षकों के सम्मान में १९६२ से प्रत्येक वर्ष ५ सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है ।
2. यह दिन डॉ० सर्वपल्लीराधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाते हैं ।
3. वह भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे ।
4. महान शिक्षक के रूप में इनके योगदान के लिए इन्हें 1954 में भारत रत्न प्राप्त हुआ ।
5. प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहता है ।
6. एक छात्र को उनके जीवन की सही दिशा तय करने का मार्ग शिक्षक ही दिखाता है ।
7. इस दिन छात्र अपने गुरुओं के सम्मान में उन्हें उपहार देते हैं ।
8. स्कूल, कॉलेज में छात्र मिलकर शिक्षकों के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं ।

शिवानी
बी०ए० प्रथम
रोल नं० 1250501012

बेटी बचाओ

वंश-वंश करते मानव तुम,
वंश बेल को काट रहे हो ।
एक फल की चाहत में तुम,
पूरा बाग उजाड़ रहे हो ।
फल तुम कैसे पाओगे ?
अंश काटकर अपना तुम,
कैसे वंश बढ़ाओगे ?

उम्र की ढलती शाम में जब,
बेटा खड़ा न होगा साथ ।
याद करोगे अंश को अपने,
खुद मारा जिसको अपने हाथ ।
न कुचलो नन्हीं कलियों को,
उनको भी जग में आने दो ।

शिवानी
बी०ए० द्वितीय
रोल नं० 1240501202

अभी हारी नहीं हूँ मैं

अभी हारी नहीं हूँ मैं
अभी कुछ तो बाकी है मुझमें
अभी हारी नहीं हूँ मैं
सफलता की राह पर चलूँगी
उठूँगी, लड़ूँगी खुद के लिए
अभी यूँ टूटी नहीं हूँ मैं
वक्त आने पर जवाब दूँगी सबको
सही को सही गलत को गलत बताऊँगी
क्योंकि गलत नहीं हूँ मैं
मैं यूँ किस्मत का ढोल नहीं पीटती
कोई बेचारी नहीं हूँ मैं
वक्त है खास मगर मंजिल को पाकर दिखाऊँगी
सफलता की राह पर चलती ही चली जाऊँगी
माँ-बाप का नाम रोशन करके
उनके सपने पूरे कर जाऊगी
अभी हारी नहीं हूँ मैं
अभी कुछ तो बाकी है मुझम
अभी हारी नहीं हूँ मैं ।

ऋचा
बी०ए० तृतीय
रोल नं० 1230501036

AI (ARTIFICIAL INTELLIGENCE) AND THE FUTURE OF EDUCATION

In the rapidly changing world of technology, one innovation is reshaping almost every aspect of our lives - Artificial Intelligence (AI). From voice assistants on our phones to self-driving cars, AI has shown its immense potential. One of the most promising areas where AI is making a huge impact is education. While AI is powerful, It also has challenges. Over-dependence on AI tools can reduce creativity and critical thinking. There are also privacy concerns, as AI uses a large amount of personal data. Moreover, AI cannot replace human teachers who inspire and emotionally connect with students. The future classroom will not just have blackboards and chalk but also algorithms and smart solutions, preparing students for the challenges of the 21st Century.

Sakshi
B.A. - II
Roll No. : 1240501041

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020 : A TRANSFORMATIVE VISION OR A THEORETICAL PROPOSAL ?

Have you ever updated your phone and then wondered – “Bas Itna Hi” That’s exactly how I felt when I first heard about NEP 2020. Everyone was saying, “It’s revolutionary!”. It will change education forever !”. But as a student, I kept thinking – will it really change my classroom, my learning or my future ? So, I decided to look into it – not as an expert, but as a regular student with questions.

What is NEP 2020 really saying

NEP 2020 is India’s new education policy – the first major one in 34 years. It takes about flexible learning, no more rigid “ Science/Commerce/Arts” Streams. Studying in mother tongue till Class 5, coding from Class 6, focus on Skills, Internships and even allowing drop out to rejoin sounds cool, right ? But wait, most of us are like “Nice on paper, but kya ye ground pe hoga bhi ?”

Choice-Based Learning : Freedom or Confusion !.

The policy says we can mix subjects – like Physics and Music or Maths & History. At first, I thought – Wow! Finally, no more “log kya kahenge”. If I want to follow my passion.
But then doubt kicked in – “What if ! Choosen wrong”. And let’s be real, in small towns or average schools even choosing your own subject feels like a dream.
So yes NEP gives us choices.... But are we really ready to choose ?

What about Teachers ?

Everyone talks about students – but teacher ki training ka kya ?
NEP says teacher will be trained better, less burdened with paperwork and evaluated in

new way. But on ground level, many teachers still struggle with basic infrastructure and support. If a teacher hasn't used a smartboard ever, how will she teach coding to Class 6 kids ?

So the policy needs to lift up teachers too not, not just students.

Real Talk : Will it take my college life

NEP promises a credit based system take breaks from college, earn credits and come back any time.

What I honestly think

As a student, I feel NEP is like that friend who has amazing ideas but need to work on execution. Yes, it's progressive. Yes it gives us hope. But it will only work if !

Sneha Kishore
B.A. - II
Roll No. : 1240501001

MOTIVATIONAL QUOTES

1. Every day may not be good.
   But there is something good in every day.
2. Education is the most powerful weapon
   Which you can use to change the world.
3. Stay optimistic : every new day offers an opportunity to improve.
4. "Computers are good at following instructions, but not at reading your mind."
5. The future depends on what we do in the present.

Nandini Keshri
BCA - I
Roll No. : 67

MATH ABOUT ME

Numbers, numbers all around,
Everywhere they can be found.

Numbers tell how old I am,
And how many people in my fam.

How much I weigh and just how tall,
Where I live, and that's not all.

Numbers are a part of me,
Money, time and history.

When to wake up and when to reach,
What size shoes to buy for my feet.

How much money something costs,
A number to call if my dog gets lost.

I don't know where I would be,
If numbers weren't a part of me.

Rachna
B.Sc. (N.M.) - II
Roll No. 1230822010

TECHNOLOGY

Beware my friend they're watching you
They record every fact.
No trick escapes concern
They know your every act.
You cannot hide your secret wealth.
Nor bank account abridge.
Your washer watches everything.
They're even in the fridge.

The Vacuum and the kitchen stove
Wow flash and whirr and blink
They're sharing all your secrets now !
Time's shorter than you think.

The human race is in decline
There is no time to spare
The microchips are closing in
They'll soon be everywhere.

TANYA
BCA-I

CAMPUS VOICES :
AMPLIFYING STUDENT PERSONALITY

College campuses are dynamic poles of intellectual exchange, social interaction, and personal growth. Within these vibrant environmentss, a multitude of voices converge, each carrying unique perspectives, experiences, and aspirations. Campus voices serves as a platform to amplify these voices, fastering dialogue, understanding, and a sense of community among students.

Through interviews, opinion pieces, and creative works, "Campus Voices" aims to capture the diverse experiences of students. It seeks to explore the challenges, triumphs, and everyday realities of college life. By providing a space for students to shed light on the issues that matter most to the students body.

Ultimately, "Campus Voices" strives to be a catalyst for positive change on campus. By giving students a platform to express themselves, the magazine empowers them to shape their environment, advocate for their needs, and build a more inclusive and supportive community for all.

Yashita Sharma

B.Sc. Physical Science

Roll No. : 1242874033

SMT. SUSHMA SWARAJ GOVT. COLLEGE FOR GIRLS
CYCLOTHON 2.0

दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का समापन

बल्लभगढ़: श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस दौरान फोक डांस, गायन, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत कविता, लिटरेरी कार्यक्रम एवं रंगोली, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, क्ले मॉडलिंग, बेस्ट आफ दी बेस्ट इवेंट कराए गए। इनमें चुने हुए प्रतिभागी 10-12 नवंबर तक अग्रवाल कालेज में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय युवा महोत्सव में भाग लेंगे। इस अवसर पर कालेज की प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता ने छात्राओं से पढ़ाई के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए कहा है। प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक सैल की इंचार्ज सपना सचदेवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कालेज के प्राध्यापक सपना नागपाल, डा.उषा दहिया, डा.ऋचा, डा.रमनप्रीत कौर, डा.चंद्रशेखर, डा.भावना कौशिक, डा.अमोल सिंह, डा.मीना, डा.धर्मवीर सिंह, डा.कुलदीप सिंह मौजूद थे।

सुषमा स्वराज महिला कालेज में आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के दौरान एक प्रतिभागी एकल हरियाणवी लोकनृत्य प्रस्तुत करती हुई ■ सौ. कालेज पीआरओ

सोलर एनर्जी से रोशन होगी शिक्षण संस्थानों की बिल्डिंग

अमर उजाला ब्यूरो, फरीदाबाद

सरकार की तरफ से सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत सरकारी बिल्डिंग में सोलर पावर प्लांट इंस्टॉल किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी ने एनआईटी पांच स्थित आईटीआई व बल्लभगढ़ स्थित राजकीय कन्या कॉलेज की बिल्डिंग में सोलर पावर प्लांट लगाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस काम पर लगभग 42 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

तीन महीने में काम पूरा करने का टारगेट तय किया गया है। सरकारी विभागों की बिल्डिंग में इस्तेमाल होने वाली बिजली के लिए सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं। अधिकतर सरकारी बिल्डिंग पर सोलर प्लांट लगे हुए हैं। वहीं, अब नई बनी बिल्डिंग में भी इस तरह के प्लांट इंस्टॉल करने की तैयारियां की जा रही हैं। सेक्टर दो में बने श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या कॉलेज व एनआईटी पांच स्थित आईटीआई के लिए नई बिल्डिंग

राजकीय कन्या कॉलेज

तैयार की गई है। इन बिल्डिंग में भी सोलर पावर प्लांट लगाने की तैयारियां की जा रही हैं। इस काम पर लगभग 42 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रत्येक संस्थान में 42 किलोवाट का प्लांट लगाया जाएगा।

एक शिक्षण संस्थान की बिल्डिंग में इस काम पर लगभग 21 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी ने इस काम को करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। काम पूरा करने के लिए तीन महीने का समय तय किया गया है। पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रदीप ने बताया कि यह काम हमारी बिजली बिल बचेगा।

काव्य पाठ में आशू प्रथम

बल्लभगढ़। सेक्टर-2 स्थित सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी विभाग अध्यक्ष चंद्रशेखर ने प्राचार्य रितिका गुप्ता के सानिध्य में इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। आयोजन में काव्य पाठ, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन और सुलेख का आयोजन करवाया गया। काव्य पाठ में आशू प्रथम, ऋतु द्वितीय और दीपांशी तृतीय स्थान पर रही।

कालेज की छात्राओं को चाहिए गांव तक जाने की बस सुविधा

■ श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज की छात्राओं ने की चुनाव पर चर्चा

■ कहा: बिजली-पानी और सड़क पर ध्यान देने वाले प्रत्याशी को वोट देंगी छात्राएं

[illegible]

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज सेक्टर-दो की कैंटीन में कालेज की छात्राएं चुनाव को लेकर आपस में संवाद करती हुईं ■ जागरण

[illegible]

हिंदी दिवस : काव्य पाठ में आशु प्रथम, रितु द्वितीय

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं की विजेता छात्रा प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता व अन्य प्राध्यापकों के साथ पुरस्कार रूप में दिए गए अपने चेक दिखाती हुई – सौ. कालेज पीआरओ

जासं, बल्लभगढ़: श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज सेक्टर-दो में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग की तरफ से प्रतियोगिताओं का आयोजन विभागाध्यक्ष चंद्रशेखर ने प्राचार्य डा.रीतिका गुप्ता के सानिध्य में किया गया। काव्य पाठ में आशु प्रथम, रितु द्वितीय और दिव्यांशी तृतीय रहीं। निबंध लेखन में रचना प्रथम, नीशू द्वितीय, करिश्मा तृतीय रहीं। स्लोगन में मनीषा प्रथम, टीना द्वितीय, तान्या तृतीय रहीं। रेखा और जड़ु को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सुलेख में सिद्धि प्रथम, खुशी द्वितीय, आशु तृतीय रहीं। विजेता छात्राओं को प्राचार्य ने पुरस्कार बांटे। इस मौके पर डा.सपना नागपाल, डा.सपना सचदेवा नायर, डा.ऊषा दहिया, डा.ऋचा, डा.रमनप्रीत कौर, डा.भावना, डा.शिवानी यादव, अमोल सिंह, डा.मीना, डा.धर्मवीर सिंह वशिष्ठ, डा.कुलदीप सिंह, डा.चंचल, डा.रिया मौजूद थे।

काव्य पाठ में 9 कॉलेज के छात्रों ने लिया हिस्सा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : सेक्टर-16 ए स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय कॉलेज में हिंदी दिवस पर जिलास्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता हुई। इसमें अलग-अलग नौ कॉलेजों के 16 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रिंसिपल डॉ. सीएस वशिष्ठ के निर्देशन में कार्यक्रम हुआ। संयोजन डॉ. प्रतिभा चौहान ने किया। मौके पर कहानीकार डॉ सुषमा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। डॉ. रिचा श्रीवास्तव, डॉ. राजेश कुमारी, डॉ. अंकित कौशल व डॉ. जोरावर सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई। राजकीय कॉलेज तिगांव की मनीषा ने पहला, राजकीय महिला कॉलेज की सारिका व सरस्वती महिला कॉलेज पलवल की सिद्धि को दूसरा, राजकीय महिला कॉलेज की सलोनी व राजकीय कन्या कॉलेज बल्लभगढ़ की आशु को तीसरा स्थान दिया।

साफ-सफाई व पौष्टिक आहार के सेवन से दूर होंगी बीमारियां

सुषमा स्वराज महिला महाविद्यालय में शिविर का आयोजन। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बल्लभगढ़। सेक्टर-2 स्थित सुषमा स्वराज महिला महाविद्यालय में शनिवार को अमर उजाला फाउंडेशन और बत्रा हार्ट व मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की ओर से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल की ओर से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कीर्ति भारतीय और आहार विशेषज्ञ डॉक्टर पारुल पाराशर मौजूद रहीं।

AMAR UJALA FOUNDATION

वहीं महाविद्यालय की ओर से प्रधानाचार्य डॉ रितिका गुप्ता, डॉ. उषा दहिया, डॉ. सपना सचदेवा, डॉ. रमनप्रीत, डॉ. रिया, डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ. भावना सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर द्वारा की गई। प्रधानाचार्य डॉ. रितिका गुप्ता ने बताया कि महाविद्यालय में आने वाली हर छात्रा की यह बढ़ती उम्र होती है। इस उम्र में उन्हें कई प्रकार की परेशानी और स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों से गुजरना पड़ता है। इसको ध्यान में रखकर छात्राओं के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति भारतीय ने छात्राओं को मासिक धर्म की प्रक्रिया एवं शारीरिक स्वच्छता के बारे में बताया।

इस उम्र में पौष्टिक आहार है बहुत जरूरी : आहार विशेषज्ञ डॉ. पारुल पाराशर ने बताया कि भोजन है तो हम है, पौष्टिक भोजन से ऊर्जा मिलती है। इसमें सलाद और फल अवश्य होने चाहिए। सही मात्रा में पौष्टिक आहार का सेवन नहीं करने के कारण छात्राएं रोगों से पीड़ित हो जाती हैं। उन्हें बीमारियों से बचाव के बारे में भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में करीब 200 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

सुषमा स्वराज महिला कालेज में हवन से हुई नए सत्र की शुरुआत

श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज में हवन करके नए सत्र की शुरुआत कराती हुई कालेज की प्राचार्य डा. रितिका गुप्ता, पूर्व प्राचार्य डा. कृष्णा श्योराण, प्राध्यापक सपना सचदेवा नायर, चंद्रशेखर ■ सौ. कालेज पीआरओ

जागरण संवाददाता, बल्लभगढ़: श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज सेक्टर-दो में नए सत्र की शुरुआत हवन से की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कालेज की पूर्व प्राचार्य डा. कृष्णा श्योराण थीं। पूर्व प्राचार्य का कालेज की प्राचार्य डा रितिका गुप्ता ने स्वागत किया। पीपीटी के माध्यम से अभिभावकों को एनईपी-2020 की जानकारी दी। हवन में आहुति देने वालों में प्राध्यापकों में डा.सपना सचदेवा नायर, डा. ऊषा दहिया, डा.रमनप्रीत कौर, डा.ऋचा गुप्ता, पवन कुमार, डा.सौरभ त्रिपाठी, शिवानी यादव, चंद्रशेखर, डा.मीना, अमोल सिंह, डा धर्मवीर वशिष्ठ, डा चंचल, डा.कुलदीप शामिल थे। इस मौके पर डा.कृष्णा श्योराण ने छात्राओं को पढ़ाई के प्रति उत्साहित और जागरूक किया।

कालेज की प्राचार्य डा. रितिका गुप्ता ने सभी विभागों की जानकारी प्राध्यापकों से जानकारी ली। कार्यक्रम का मंच संचालन प्राध्यापक डा सपना सचदेवा नायर और चंद्रशेखर ने किया।

सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी

बल्लभगढ़। सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-2 में नए विद्यार्थियों के लिए सोमवार को ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ट्रैफिक ताऊ विरेंद्र बल्हारा ने छात्राओं को सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी से प्रेरित किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्या कृष्णा श्योरान, प्राचार्या रितिका गुप्ता व समस्त स्टाफ ने नए विद्यार्थियों के साथ हवन करके नई शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया। इस दौरान प्राचार्या रितिका गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने छात्राओं को संबोधित किया। इस दौरान, छात्राओं व उनके अभिभावकों को पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय के आरंभ से वर्तमान सत्र तक व एनईपी 2020 की जानकारी दी गई।

आज जारी होगी दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट

- पहली मेरिट सूची के तहत दाखिला प्रक्रिया पूरी
- तीन हजार सीट में 75 प्रतिशत पर हुए दाखिले

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: जिले के कालेजों में मंगलवार को शाम को पांच बजे पहली कटआफ सूची के तहत दाखिला प्रक्रिया संपन्न हो गई। उच्चतर शिक्षा निदेशालय की ओर से शाम पांच बजे के बाद फीस भुगतान बंद कर दिया गया। पहली कटआफ में जिले के कालेजों की करीब तीन हजार सीट दाखिले होने थे। अंतिम दिन यानि मंगलवार को सबसे अधिक दाखिले हुए। तीन हजार सीट में 75 प्रतिशत सीट यानी 2250 सीट पर दाखिले हो चुके हैं। अब बुधवार से दूसरे दौर की दाखिला प्रक्रिया शुरू होगी। इसके तहत 10 जुलाई को प्रोविजनल मेरिट सूची जारी की जाएगी। इसे सभी को पहले महाविद्यालय प्रबंधन जांचेंगे। कोई गलती होगी तो उसे उच्चतर शिक्षा विभाग को सूचित करके ठीक करवाएंगे। इसके बाद 11 जुलाई को दूसरी कटआफ सूची जारी की जाएगी। इसमें शामिल विद्यार्थी 13 जुलाई तक दाखिले ले सकेंगे। श्रीमती सुषमा स्वराज कालेज में पहली मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद 80 प्रतिशत सीट पर दाखिला हो चुका है।

"कालेज में पहली मेरिट सूची के तहत दाखिला प्रक्रिया संपन्न हो गई है। पहली मेरिट में शामिल छात्रों में से यदि किसी ने फीस का भुगतान नहीं किया है तो उसे दूसरी सूची के तहत दाखिला प्रक्रिया संपन्न होने की प्रतीक्षा करनी होगी। इसके बाद एक दिन फिजिकल काउंसलिंग होगी। इसमें पहली व दूसरी मेरिट सूची में शामिल छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।" – डा. रितिका गुप्ता, [illegible]

दाखिले को लेकर दूसरी प्राथमिकता सूची जारी, 13 तक होगा फीस का भुगतान

आइटीआइ

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: हरियाणा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा आइटीआइ में दाखिले की दूसरी प्राथमिकता सूची जारी कर दी गई। मेरिट सूची में नाम आने वाले छात्रों को 13 जुलाई तक फीस भुगतान का समय रहेगा। इसके बाद तीसरे दौर की प्रक्रिया शुरू होगी। पहली प्राथमिकता सूची के तहत जिले के आइटीआइ में केवल 60 प्रतिशत सीट पर ही दाखिले हुए हैं, जबकि 40 प्रतिशत सीट रिक्त रह गई हैं। [illegible]

[illegible]

श्रीमती सुषमा स्वराज कालेज

कोर्स	कुल सीट	दाखिला
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]

नशा मुक्ति के लिए की रैली

बल्लभगढ़। सेक्टर 2 स्थित सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में सोमवार को एनएसएस यूनिट तथा एंटी ड्रग तंबाकू के तत्वाधान में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान शपथ दिलाई गई। प्राचार्य डॉ. रितिका गुप्ता ने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. मोना वाणिज्य विभाग नोडल अधिकारी, डॉ. धर्मवीर एंटी ड्रग, डॉ. सपना नागपाल, डॉ. भावना कौशिक, डॉ. शिवानी यादव, डॉ. रमनप्रीत कौर आदि मौजूद रहे। संवाद

"कालेज में पहले दिन प्रथम वर्ष के काफी छात्र पहुंचे। छात्रों को कालेज के बारे में जानकारी दी गई। उच्चतर शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार अब जल्द ही ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित करने का सिलसिला शुरू किया जाएगा, जिसमें कालेज छात्रों को सभी तरह की जानकारी दी जाएगी।" – डा. रितिका गुप्ता, प्राचार्य, श्रीमती सुषमा स्वराज कालेज

यूजी कोर्स की मेरिट लिस्ट जारी, 92 प्रतिशत से अधिक रही बीबीए की कटआफ

दाखिले की दौड़

[illegible]

[illegible]

मेरिट लिस्ट में ये रही कटआफ की स्थिति

राजकीय कन्या कालेज बल्लभगढ़

कोर्स	जनरल	एससी	बीसीए
बीकाम	91.6	87.4	78.6
[illegible]	83.4	[illegible]	87.4
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

राजकीय महिला कालेज, सेक्टर-16ए

[illegible]

राजकीय कालेज खेड़ी गुजरान

[illegible]

राजकीय कालेज सेक्टर 23

[illegible]

राजकीय कालेज [illegible]

[illegible]

[illegible]

रुचि | छह वर्ष पहले शुरू हुआ था सेक्टर-2 स्थित सुषमा स्वराज कॉलेज, यह फरीदाबाद जिले का तीसरा बड़ा महिला कालेज

कन्या महाविद्यालय शहरी छात्राओं की पहली पसंद

जानिए अपना कॉलेज

कोर्स-सीट पर एक नजर

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सुषमा स्वराज कॉलेज में 25 तक आवेदन

बल्लभगढ़। सेक्टर-2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लभगढ़ के स्नातक के दाखिले 3 जून से ऑनलाइन प्रक्रिया से आरंभ हो गए हैं, जो कि 25 जून तक चलेंगे।

प्रिंसिपल डा.रितिका गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि उनके कॉलेज में बी.ए. में 240, बी.कॉम में 80 ,बीएससी मेडिकल में 80 ,बीएससी नॉन मेडिकल में 80 ,बीएससी आईटी में 80 ,बीसीए में 80 और बी बी.ए में 80 सीट है।

भारत लिस्ट जारी, 10 को आएगी दूसरी सूची

30 तक बिना वेट लीस्ट के होंगे दाखिले

अब दाखिलों ने गति पकड़ ली है। छात्र कालेज आकर भी

आनलाइन आवेदन कर रहे है। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से नई शिक्षा नीति के नियमों को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है। – रितिका गुप्ता, प्राचार्य श्रीमती सुषमा स्वराज महिला कालेज

सुषमा स्वराज महिला कालेज में आनलाइन दाखिला शुरू

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के अंतर्गत आने वाले बल्लभगढ़ में स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय महिला कालेज सेक्टर–दो में स्नातक के लिए आनलाइन दाखिले शुरू हो चुके हैं। कालेज प्राचार्य डा. रीतिका गुप्ता ने बताया कि बीए में 240, बीकाम में 80, बीएससी मेडिकल में 80, बीएससी नान मेडिकल में 80, बीएससी आइटी में 80, बीसीए 80 और बीबीए की 80 सीटों के लिए आनलाइन दाखिल शुरू किए जा चुके हैं। ये आनलाइन प्रक्रिया 25 जून तक चलेगी।

महाविद्यालय परिषद

बाएं से दाएं :– डॉ० ऋचा, डॉ० सपना सचदेवा, श्रीमती रितिका गुप्ता (प्राचार्या), डॉ० सपना नागपाल, डॉ० ऊषा दहिया, श्रीमती रमनप्रीत

शैक्षणिक समूह

बाएं से दाएं (बैठे हुए) :– श्रीमान चंद्रशेखर, डॉ० ऊषा दहिया, डॉ० सपना सचदेवा,
श्रीमती रितिका गुप्ता (प्राचार्या), डॉ० सपना नागपाल, श्रीमती रमनप्रीत, डॉ० ऋचा

बाएं से दाएं (खड़े हुए) :– डॉ० अमोल सिंह, डॉ० चंचल, श्रीमती दिव्या, डॉ० पूनम मलिक,
डॉ० शिवानी यादव, डॉ० भावना कौशिक, डॉ० धर्मवीर वशिष्ठ

गैर शैक्षणिक समूह

बाएं से दाएं (बैठे हुए) :– श्रीमान बॉबी, श्रीमान मंजीत, श्रीमान श्यामसिंह, श्रीमतह रितिका गुप्ता (प्राचार्या)
श्रीमती राजरानी, श्रीमान प्रदीप

बाएं से दाएं (खड़े हुए) :– श्रीमती भूमिका, श्रीमान धर्मवीर, श्रीमान समय सिंह, श्रीमान जनक, श्रीमती इंदिरा
श्रीमान मनीष, श्रीमान दलबीर, श्रीमती कोमल, कु. उमेश